हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

12 जुलाई, 1974

खण्ड 2, अंक 5

अधिकृत विवरण

विषय–सूची

शुक्रवार, 12 जुलाई, 1974

पृष्ठ संख्या

ताराकिंत प्रश्न एवं उत्तर	(5) 1
अतारांक्ति प्रश्न एवं उत्तर.	(5) 31
कार्य–मंत्रणा समिति का द्वितीय प्रतिवेदन.	(5) 34
दी हरियाणा एप्रोप्रिएशन (नं०3) बिल, 1974	(5) 35

हरियाणा विधान सभा

शुक्रवार 12 जुलाई, 1974

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन,

सैक्टर–1, चण्डीगढ में प्रातः 9–30 बजे हुई ।

अध्यक्ष (चौधरी सरूप सिंह) ने अध्यक्षता की ।

ताराँकित प्रश्न एवं उत्तर

Suspension of officers/Officials

***801 Chaudhri Ram Lal Wadhwa :** Will the Minister for Social Welfare and Taxation be pleased to state—

(a) whether it is a fact that some Food and Supplies Officers/ Officials have been suspended recently in connection with replacement of wheat bags in the year 1971-72 at different places in the State; if so, the number and names of such officers/officials under suspension, districtwise; and

(b) the total districtwise loss of foodgrain and gunny bags' sustained by the State Government in this replacement ?

Social Welfare and Taxation Minister (Shri Shyam Chand)

(a) Yes. Three Additional District Food and Supplies Controllers, six Assistant Food and Supplies Officers

and nintcen Inspectors, Food and Supplies, have been suspended in connection with replacement of gunny bags. Statement-I, containing the names and other particulars, is laid on the table of the House; and

(b) Statement-TI, containing the requisite information is laid on the table of the House.

STATEMENT—I

Sr. No.	Names of the officials/ Officers with previous	Previous Distt. of	Distt. of posting from where suspended with designation		
1.	Sh. Kaur Singh	Inspector	Karnal	Inspector	Ambala
2.	Sh. N. N. Bhai	—do—	—do—	—do—	Ambala
3.	Sh. B. R. Aggarwal	—do—	—do—	—do—	Kurukshetr
4.	Sh. Sant Singh	—do—	—do—	A.F.S.O	Kurukshetr
5 .	Sh. Ram Lal Sethi.	Inspector	Karnal	Inspector	Karnal
6 .	Sh. Kedar Nath	—do—	—do—	—do—	Karnal
7	Sh. O. N. Bhalla	—do—	—do—	—do—	Karnal
8.	Sh. Tilak Raj	—do—	—do—	—do—	Karnal
9.	Sh. Dalbir Singh	—dc—	—do—	—do—	Kaithal
10.	Sh. T. S. Bindra	—do—	—do—	A.F.S.O.	Jind
11.	Sh. C. L. Uppal	—do—	—do—	Inspector	Jind
12.	Sh. B. P. Gautam	—do—	—do—	—do—	Rohtak
13.	Sh. R. D. Sharma	—do—	—do—	—do—	Sonepat
14.	Sh. B. D. Bansal	—do—	—do—	A .F.S .0.	Sonepat

15.	Sh. S. P. Kansal	—do—	—do—	Inspector	Gurgaon
16.	Sh. M. L. Chopra	—do—	—do—	—do—	Gurgaon
17.	Sh. Ram Cal Mehta	—do—	—do—	—do—	Gurgaon
18.	Sh. Makhan Singh	— do—	—do—	A .F.S .0.	Gurgaon
19.	Sh. Ram Chand Arya	—do—	—do—	—do—	Gurgaon
20.	Sh. Y. R. Chopra	—do—	—do—	Inspector	Narnaul
21.	Sh. Hari Ram	—do—	—do—	—do—	Narnaul
22.	Sh. S. K. Jain	—do—	—do—	—do—	Bhiwani
23.	Sh. N. K. Chopra	—do—	—do—	A.F.S.O.	Sirsa
24.	Sh. Dharam Pal	--do—	—do—	Inspector	Sirsa
25.	Sh. Brij Mohan Gupta	—do—	—do—	—do—	Sirsa
			OFFICERS		
26.	Sh. Ramji Das D.F.S.0		Karnal	A .D.F.S.C.	Rohtak
27.	Sh. J .P. Chopra, D.F.S.C.		—do—	—do—	Jind
28.	Sh. M. R. Garg, D.F.S.C.		Hissar	—do—	Ambala

STATEMENT—II

The districtwise loss of foodgrains and gunny bags

(as intimated by Audit) sustained by the State Government in the gunny bags replacement case is as under:—

Sr. No.	District	No. of gunny bags replaced	Amount in rupees
1.	Karnal	2,05,127	7,37,268.35
2.	Hissar	45,341	1,62,627.70
3.	Ambala	16,770	60,367.65
4.	Gurgaon	10,111	36,168.95
5.	Rohtak	7,167	25,753.20
6.	Narnaul	6,402	23,047.20
7.	Jind	563	2,013.00
	Total:	2,91,481	10,47,246.05

2. 155.13 quintals of wheat was damaged at Karnal only during 1971-72 in the replacement of gunny bags.

चौधरी राम लाल वधवा : क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि यह जो आफिसर और आफिशियल्ज सस्पैंड किए गए हैं वह कब किए गए और उनकी इन्क्वायरी किस स्टेज तक पहुंची है?

Shri Shyam Chand : They were suspended in December, 1973 and the enquiry is going on.

चौधरी फूल चन्द (मुलाना) : क्या मत्री जी बताएंगे कि यह कर्मचारी जिस वजह से सस्पैड किए गए हैं वह केवल एक ही जिले के किए गए हैं या सब जिलों से किए गए हें?

Shri Shyam Chand : Sir, they were from Karnal and Hissar.

चौधरी राम लाल वधवा: क्या वजीर साहब बताए गे कि यह जो अढ़ाई लाख से ऊपर तो बोरिये का नुक्सान हुआ है जो कि खराब होने की वजह से बदली गई हैं और इसके इलावा 155. 13 क्विटल ह्वीट डैमेज हुईहै, यह जो सारा नुक्सान हुआ है इसकी रकम उन लोगों से वसूल की जागी?

Shri Shyam Chand : Sir, an enquiry committee was constituted and I have received their. Report. Action mill be taken after the Report has been gone through and it would be decided on merits.

श्री अमर सिंह : वजीर साहब ने फरमाया था कि करनाल औंर हिसार में यह गनी बैग्ज खराब हुए है । क्या मैं पूछ सकता हूं कि वह बैग खराब होने की यह वजह तो नही थी कि सरकार ने उनको ठीक ढंग से स्टोर करनेका –प्रबन्ध नही किया था?

Shri Shyam Chand : In other Districts, replacement of gunny bags was negligible.

चौधरी चांद राम : स्पीकर साहब दिसम्बर, 1973 ने वह सस्पैड हुए और जुलाई, 1974 में रिपोर्ट आई है । तो मैं पूछना. चाहता हू कि सात महीने इस छोटे से काम पर लगने की क्या वजह है?

Shri Shyam Chand : Sir, it is not a small matter. The Enquiry Committee had to go through every detail and they had to collect so many informations.

चौधरी पीर चन्द : क्या मैं वजीर साहब से पूछ सकता हू कि यह जो इन्क्वायरी चल रही है यह डिपार्टमैंटल है या इसके लिए कोई स्पैशल स्टाफ लगाया हुआ है?

श्री श्याम चन्द : यह डिपार्टमैंट की तरफ से इन्क्वायरी है ।

चौधरी मनफूल सिंह : क्या वजीर साहब बताएंगे कि जो रिप्लेसमैंट आफ बैग्ज थी, उसके क्या कारण थे और उन नुकायस को आयदा के लिए रोकने के लिए क्या प्रबन्ध किया गया है?

श्री श्याम चन्द : इस बात की जांच करवाई जा रही है और रिपोर्ट आने के बाद पता लगेगा कि क्या कारण थे और आगे के लिए हम ने डिस्ट्रिक्ट फूड कन्ट्रोलर्ज को कहा है कि वह रोजनामचा बनाए और उस में ऐंट्री की जाए किस किस बैग की रिप्लेसमैंट हुई है और उस की बाकायदा स्टेटमैंट भेजें ।

श्री के०एन०गुलाटी : क्या मैं वजीर साहब से पूछ सकता हू कि जहां पर कम से कम गनी बैग्ज की रिप्लेसमैंट हुई है वहा के आफिशियल्ज को वार्निग दे के छोड़ दिया जाएगा?

श्री श्याम चन्द : यह तो जैसा–जैसा कसूर होगा उस के मुताबिक ही ऐक्शन लिया जाएगा । Every case will be decided on merits.

चौधरी राम लाल वधवा : क्या वजीर साहब बताएंगे कि बोरियां खराब होने का एक कारण यह भी है कि गवर्नमैंट के पास प्रोक्योरमैंट करते वक्त बोरियों को सेफ जगह पर रखने का इन्तजाम नही था?

Shri Shyam Chand : Sir, I cannot say anything unless and until I have gone through the Report submitted by the Committee.

चौधरी शिव राम वर्मा : स्पीकर साहब, जो नुक्सान हो गया है वह तो हो ही गया है, अब उनको ज्यादा देर तक सस्पैड रखने से गवर्नमैंट को उन को बाद में रि–इंस्टेट करके जो एकदम इकट्ठी रकम देनी पड़ेगी उससे और नुक्सान होगा, इसलिए मैं पूछना चाहता हूं कि इस केस का जल्दी से फैसला क्यों नही करते?

श्री श्याम चन्द : स्पीकर साहब इन्क्वायरी के लिए आखिर टाईम लगता ही है लेकिन गवर्नमैंट की यह कोशिश है कि जल्दी से जल्दी इनक्वायरी कम्पलीट हो ।

Tannery

756. Shri Dhaja Ram : Will the Minister for Industries be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to set-up any tannery in the State; if so, the time by which it is likely to start functioning ?

Industries Minister (Shri Harpal Singh) : Yes. A tannery is being set up at Jind with technical collaboration of techno Expert of Bulgaria. The date fixed for its commissioning in the collaboration contract is 31st of March, 1975 and every possible effort is being made to keep to this schedule.

श्री अमर सिंह : क्या वजीर साहब बताएगे कि जो जींद मैं टैनरी लगाई जा रही है उस के लिए कितने एकड जमीन एक्वायर की जा रही है और कितनी अमाऊंट उस पर खर्च हुई है?

श्री हरपाल सिंह : इस के लिए हमने 25 एकड़ जमीन एक्वायर की है और उस की बाउंड्री वाल ही भी तक बनीं है ।

चौधरी फूल सिंह कटारिया: क्या वजीर साहब बताए गे कि जींद में यह टैनरी लगाने का क्या क्राईटेरिया था, और इस में कोई तजुर्बेकार स्टाफ भी लगाया है या नही, कही ऐसा न हो कि जैसे आप ने पहले रिवाडी में टैनरी खोली थी लेकिन वह बाद में बन्द करनी पड़ी?

श्री हरपाल सिंह : स्पीकर साहिब हम ने अच्छी तरह सर्वे करवा कर यह प्राजैक्ट तैयार करवाया है । सन 1971 में सैट्रल गवर्नमैंट ने लैदर इन्स्टीच्यूट मद्रास से सर्वे के लिए टीम भेजी थी, उनकी सर्व रिपोर्ट के मुताबिक जींद में यह टैनरी लगाई जा रहीहै, और साथ ही जींद बैकवर्ड इलाका भी है ।

चौधरी पीर चन्द : स्पीकर साहब चमडा रंगने का कारखाना लाखों रुपए खर्च करके रिवाडी में खोला गया था, लेकिन वह आज कल बंद पड़ा है उसका क्या कारण है?

श्री हरपाल सिंह : रिवाडी में वह कारखाना सैट्रल गवर्नमैंट ने खोला था वह चमडे की रंगाई की ट्रेनिंग देने के लिए खोला गया था लेकिन बाद में यह प्राब्लम पेश आई कि जो लड़के ट्रेनिंग लेकर जाते थे उनको एम्पलाएमेंट नही मिल पाती थी, इस लिए सैट्रल गवर्नमैंट के एक्सपर्टस ने एडवाईज किया कि उसको बन्द कर दिया जाए । वह पर जो मशीनरी है हम उस को यूज करने के लिए सोच रहे हैं । हम इस बात को भी एग्कामिन कर रहे हैं कि आया उस को लीज पर दिया जा सकता है कि नही, अगर दे सकते होंगे तो दे देंगे ।

चौधरी राम लाल वधवा: चमडे का सब से बड़ा सैंटर करनाल है । क्या वजीर साहब बताएंगे कि वहां पर इस किस्म का चमडे का कारखाना लगाने की कोई योजना है?

श्री हरपाल सिंह : स्पीकर साहब इस में किसी जिला का सवाल नही है इस में सारे राज्य की बात है, जीद एक सैंट्रल प्लेस थी और साथ ही बैकवर्ड एरिया था इस लिए उस को सिलैक्ट किया गया था ।

श्री अमर सिंह : क्या वजीर साहब बताएंगे कि इस में डेली कितना चमडा रंगा जाएगा और इस में कितने आदमी काम करेगे?

श्री हरपाल सिंह : इस में डेली 1,400 गोट स्किन्ज की और 600 शीप स्किन्ज की रंगाई होगी और इस में 200 आदमियों की एम्पलाएमैंट होगी ।

चौधरी फूल सिंह कटारिया : वजीर साहब ने बताया है कि 1, 400 स्किन्ज गोट की और 600 हाईड्ज स्किन्ज की रंगाई होगी । मैं जानना चाहूंगा कि क्या इस– बात का भी हिसाब लगाया गया है कि उस एरिया में कितनी स्किन्ज मिल सकती है?

श्री हरपाल सिंह : स्पीकर साहब हरियाणा में जो रिपोर्ट हमारे पास आई है उसके मुताबिक 8 लाख स्किन्ज अवेलेवल है और वैसे सारे नार्थ में एक करोड़ के करीब अवेलेबल हैं ।

चौधरी पीर चन्द : क्या वजीर साहब बताएंगे कि जो चमडा वहां पर रंगा जाएगा वह कुछ एक्सपोर्ट भी होगा या सारा यहां पर ही खपत होगा?

श्री हरपाल सिंह : स्पीकर साहब जिन से हमने कोलैबोरेशन की है उनसे हमारा एग्रीमैंट है कि 50 फीसदी चमडा एक्सपोर्ट होगा।

Bus Service from Hissar to Haridwar

***781. Shri Amar Singh Will** the Minister for Development be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the to provide bus service from Hissar to Haridwar via Hansi—Jind ?

शिक्षा तथा परिवहन राज्य मन्त्री (श्रीमती प्रसन्नी देवी) : हिसार से हरिद्वार के लिए बरास्ता हांसी–जीद बस–सेवा 17–2– 74 से चालू कर दी गई है ।

चौधरी राम लाल वधवा: क्या वजीर साहब बतायेगे कि पहले हरियाणा से हरिद्वार के लिये कहां कहां से बसें चलती है?

परिवहन मन्त्री (कर्नल महा सिंह) : मैंबर साहब करनाल के बारे में जानना चाहते हैं तो मैं उनको बता दूं कि करनाल से हरिद्वार के लिये जरूर बस जाती है ।

श्री प्रेम सुख दास: क्या वजीर साहब बतायेंगे कि क्या सिरसा से भी हरिद्वार के लिये बस चलायेने क्योंकि लोगों की तरफ से इसके लिये बहुत मांगरू है?

श्रीमती प्रसन्नी देवी: इस में बात यह है किं एक स्टेट से दूसरी स्टेट के लिये अगर बस चलानी हो तो उस स्टेट के

साथ इस बारे में समझौता करना पड़ता है । हमारी इस बारे में कोशिश है कि यू ० पी ० के साथ कोई समझौता हो जाये और अगर यह समझौता हो गया तो वहां से भी जरूर चला– देंगे ।

श्री अमर सिंह : क्या यह बताया जायेगा कि हरिद्वार में नहाने के लिये सावन और भादों में ज्यादा वाली जाते है इस लिये इस दौरान ज्यादा बसे चलाई जायेंगी?

श्रीमती प्रसन्नी देवी : अगर इस बारे में जनता की तरफ से कोई मांग आयेगी और यू ०पी ० वालों से इस बारे में समझौता हो गया क्योंकि उनसे बातचीत करके ही चला सकते हैं तो जरूर चलायेंगे ।

श्री धज्जा राम : स्टेट ट्रांस्पोर्ट एडवाइजरी कमेटी की मीटिंग में यह फैसला किया गया था कि पहली अप्रैल, 1974 को, कि एक बस जो भिवानी से चण्डीगढ वाया रोहतक चलती है और दूसरी जो रिवाडी से चण्डीगढ वाया रोहतक चलती है उनमें से एक बस वाया जींद चलाई जाये । तो मैं यह जानना चाहता हु कि क्या उसे चलाने का कोई प्रोग्राम है?

कर्नल महा सिंह : पहली अप्रैल को रिवाडी से चण्डीगढ वाया झज्जर रोहतक रात की सर्विस नहीं थी और यह उसके बाद शुरू की गई हए । हमने ट्रांस्पोर्ट डिपार्टमैंट को कह दिया है कि भिवानी से चण्डीगढ जो रात को बस आती है वह वाया जींद आ जाया करे ।

मलिक सतराम दास बत्तरा : क्या वजीर साहब बताएंगे कि हर जिला हैडक्वार्टर से चण्डीगढ के लिए डीलक्स बसें चलाने की कोई योजना है?

कर्नल महा सिंह : नहीं जी । इस वक्त हालत ऐसी नही है कि ऐसा कर सकें क्योंकि हम पहले आर्डीनरी पैसिंजर्ज की डिमांड मीट करेगे उसके बाद डिंलक्स बस चढ़ने वालों की ।

चौधरी फूल सिंह कटारिया : क्या वजीर साहब बताएगे कि जैसे हिसार से चण्डीगढ डीलैक्स बस चलती है वैसे रोहतक से भी चलाएंगे?

कर्नल महा सिंह : ऐसा करने का विचार तो जरूर है लेकिन आप भी यह बात कहते हैं कि बसों की लोगों को दिक्कत है और अपि साल्हावास और नाहड वगैरा के लिए बसों की डिमांड करते रहते है इसलिए पहले तो, उनकी आर्डीनरी पैसिंजर्ज की डिमांड मीट की जाएगी और डीलक्स वालों की बात बाद में देखेंगे जब आम लोगों की दिक्कत दूर हो जाएगी ।

श्री धज्जा राम : यदि से हांसी, सफीदों और कैथल के लिए जो बसें चलती हैं, आमतौर पर उनमें सवारियों का सामान गुम हो जाता है । इस बारे में क्या किया जा रहा है कि सामान लोगों का चोरी न हो?

Mr. Speaker : Order please. This is not a supplementary to the question.

Water Supply Works at Nilokheri

***749. Chaudhri Shiv Ram Verma :** Will the minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the construction of water supply works at Nilokheri has been lying incomplete; if so, the reasons there of; and

(b) the time by which the same is likely to be completed ?

गृह तथा स्वास्थ्य राज्य मन्त्री (श्रीमती शारदा रानी) :

(क) जी हां, धनराशि की कमी के कारण ।

(ख) यह ने टफाईड एरिया कमेटी की ओर से धनराशि जमा करवाने पर निर्भर है ।

चौधरी शिव राम वर्मा: क्या वजीर साहिबा बताएंगी कि। सरकार की ओर से उनको कहने का प्रयत्न किया जाएगा कि इस काम को जल्दी पूरा करे क्यों किं सारा शहर तं न हो रहा है?

श्रीमती शारदा रानी : उनको पूरा करने के लिए तब कहा जाएगा और कहा जा सकता है जब नोटिफाईड एरिया कमेटी अपना पूरा शेयर जमा करा देगी ।

चौधरी शिव राम वर्मा : कमेटी को भी सरकार ही रुपया देती है और इस स्कीम के लिए भी सरकार ने हइ. पैसा

दिया हुआ है तो क्या इस स्कीम को पूरा करने के लिए सरकार और रुपया नहीं देगी?

श्रीमती शारदा रानी : अध्यक्ष महोदय किसी भी अर्बन वाटर सप्लाई स्कीम के लिए वहां की नोटिफार्डड एरिया कमेटी पांच फीसदी शेयर अपनी तरफ से जमा कराती है, 29 फीसदी स्टेट की तरफ से ग्रांट या लोन के रूप में मिलता है और 68 फीसदी एल ० अभई ० सी ० से लोन मिलता है लेकिन अ भी. तक वहां की क्मेटी ने पांच हजार रुपया जमा कराया था, 27 हजार रुपया गवर्नमैंट ने दिया है और एक लाख रुपया एल ० आई ० सी ० की तरफ से लोन के रूप ने मिला है और यह रुपया पूरा खर्च हो चुका है । अब अगर नोटिफाईड एरिया कमेटी और रुपया जमा कैराएगी । तो फिर आगे लोन वगैरा मिलेगा वैसे लिखा तो उनको जा चुका है लेकिन एल० आई० सी० का लोन नहीं मिला है क्योंकि इनका अपना शेयर जमा नहीं हुआ ।

चौधरी फूल सिंह कटारिया : जिन कमेटियों ने अपना शेयर पूरा कर दिया है क्या वहां पर काम शुरू कर दिया जाएगा?

श्रीमती शारदा रानीः जिन्होंने अपना शेयर पूरा कर दिया है और आगे भी जिन की लोन वगैरा मिलने की कार्यवाही हो चुकी है वहां पर काम जल्दी से जल्दी पूरा करने की कोशिश की जाएगी ।

श्री अमर सिंह : यह जो नीलोखेडी की स्कीम है इस पर टोटल खर्च कितना आएगा और अब तक कितने पैसे का इन्तजाम हो बउका है?

श्रीमती शारदा रानी : यह आंग्मैंटेशन स्कीम है, जोकि 5, 87,000 रुपए की है और डेढ़ लाख रुपया हमें इसके लिए मिला बुश जिसमें से 1, 40,000 रुपया खर्च हो चुका है ।

तारांकित प्रश्न सं० 787

यह प्रश्न पूछा नहीं गया क्योंकि माननीय सदस्य इस समय सदन में उपस्थित नहीं थे ।

Per-Capita Income

***808. Chaudhri Mehar Chand** Will the Minister for Finance be pleased to state the maximum point touched upto May, 1968 and May, 1974 separately, in respect of per-capita income at 1960-61 prices level ?

Chief Minister (Chaudhri Bansi Lal) : Per-capita income is worked out on annual basis throughout the country. The question of maximum point being touched upto particular month does not arise. However, the per-capita income of Haryana was Rs. 397.00 in 1967-68. The information for 1973-74 is not yet available.

Sewani Lift Irrigation Project

***821. Malik Sat Ram Dass Batra :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the stages in which the Sewani Lift Irrigation Project was divided alongwith the details there of;

(b) whether the work on the entire project has been completed and if not, the time by which it is likely to be completed;

(c) the total area likely to be irrigated when this project is completed ; and

(d) the estimated increase in the annual production of food grains?

State Minister for Irrigation and Power (Sardar Harmohinder Singh Chatha) :

(a) A statement is laid on the Table of the House ;

(b) the work on the entire project is scheduled to be completed by 31.12.1976 ;

(c) 1, 12,704 acres annually, when the system is made perennial on the availability of Ravi-Beas waters; and

(d) the increased agricultural production will be worth about Rs. 615 lakhs annually.

Statement

(a) In 4 stages.

Details are given below—.

Stage	G.A. (in acres)	C. C . A .	Cost (in lakhs of

		(in acres)	Rs.)
Stage I	43000	32000	218
Stage II	65700	49300	261
Stage III	85100	63800	396
Stage IV	45850	36680	300
Total	2,39,650	1,81,780	11.75 crores

मलिक सत राम दास बत्तरा : क्या वजीर साहब बताएंगे कि इस इरीगेशन स्कीम के ऊपर कितने पंपिंग सैट्स लगे हुए हैं, उनमें से कितने खराब हैं और कितने चल रहे हैं?

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठा : फर्स्ट स्टेज पर 12 सैट्स हैं और जो सैकिंड स्टेज बननी है उसमें आठ सैट्स लगेंगे ।

मलिक सत राम दास बत्तराः इनकी कैपैसिटी कितनी है?

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठाः 700 क्यूसिक्स के लगभग है ।

मलिक सूत राम दास बत्तरा : इसकी चौथी स्टेज कब तक पूरी हो जाएगी?

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठा : 1976 तक ।

चौधरी पीर चन्द : क्या वजीर साहब बताएगे कि यह जो आठ सैट्स लगाने हैं, यह कब तक लगेंगे?

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठा : जब नहर कम्प्लीट करनी है ।

Cultivable Area

***833. Shri Om Parkash Garg :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the total gross cultivable area in Haryana in May, 1968;

(b) the total irrigation area from all sources in the State in May, 1968;

(c) the total irrigated area from all sources in the State in May, 1973; and

(d) the year-wise break-up of the area irrigated by canals, **deep** tube-wells, shallow tube-wells and through other sources from May, 1968 to May 1974 ?

State Minister for Irrigation and Power (Sardar Harmohinder Singh Chatha);

(a)	Total gross cultivable area in May, 1968.	:94,56,900 acres (38,27,000

		Hectares)
(b)	Gross irrigated area from all sources in the State in May, 1968.	:43,99,000 acres. (17,80,000Hectares)
(c)	Gross area irrigated from all sources in the State in May, 1973	: 61,21,000 acres (24,77,000 Hectares)
(d)	Year-wise break-up of the area irrigated by canals, deep tube-wells and shallow tube-wells and through other sources from May, 1968 to May, 1973.	: Given in the enclosed statement

Statement

Year	Area irrigated by canals	Area irrigated by deep tube-wells	Area irrigated by shallow tube- wells and other sources	Gross area irrigated from all sources
1	2	3	4	5
	Acres (Hectares)	Acres (Hectares)	Acres (Hectares)	Acres (Hectares)
1968	33,93,095	1,92,173	8,13,733(3	43,99,000

	(13,73,117)	(77,769)	,29,114)	(17,80,000)
1969	32,23,734 (13,04,582)	2,18,000 (88,220)	11,59,266 (4,71,199)	46,01,000 (18,64,000)
1970	37,00,533 (14,97,531)	1,79,000 (72,438)	14,53,467 (5,88,031)	53,33,000 (21,53,000)
1971	35,75,756 (14,47,037)	1,44,000 (58,274)	17,91,244 (7,24,689)	55,11,000 (22,30,000)
1972	37,22,715 (15,06,509)	1,17,000 (47,348)	19,05,285 (7,71,143)	57,45,000 (23,25,000)
1973	37,92,571 (15,34,778)	1,26,000 (50,990)	22,02,429 (3,91,232)	61,21,000 (24,77,000)

Figures for the year 1974 in respect of gross area irrigated from all sources are not yet available.

Houses For Economically Weaker Sections

***842. Shrimati Lajja Rani :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the total number of houses constructed by the Haryana Housing Board for the economically weaker sections alongwith the places thereof upto 31st March, 1974;

(b) the terms and conditions on which these houses were given to the people mentioned in part (a) above; and

(c) the target which is likely to be achieved during the year 1974-75 alongwith the places of their construction ?

सिंचाई तथा बिजली मन्त्री (श्री बनारसी दास गुप्त) : (क) से (ग) विवरण सदन के पटल पर रखा जाता है––

विवरण

(क) फरीदाबाद, जिला गुडगांवा में 500 मकान

(ख) जिन शर्तों पर लोगों को मकान दिए गए है, निम्नलिखित हैं :––

(1) क्रेयता हरियाणा निवासी होना चाहिए तथा जहां किराए के मकान स्थित हों, वहां स्थानीय शासन की सीमाओं में कार्य करता हो ।

(2) उस की आय 350 रुपए मासिक तक होनी चाहिए ।

(3) उन आवेदकों को अधिमानता दी जाती है जिन का चण्डीगढ तथा दिल्ली अथवा हरियाणा में कही किसी भी स्थान पर कोई घर नहीं है ।

(4) क्रेयता को 500 रुपए की राशि रजिस्टरी के समय तथा बकाया 68. 50 रुपए मासिक की दर से 25 वषों की अवधि में जमा करानी अपेक्षित है ।

(5) उन व्यक्तियों को अधिमानता दी जाती है जो लागत का 25 प्रतिशत जमा करवाते हैं तथा बकाया 10 वार्षिक किस्तों में अदा करने का वचन करते हैं ।

(6) स्कीम के 10 प्रतिशत मकान निम्नलिखित प्राथमिकता के क्रम से सैनिक कर्मचारियों से सम्बन्धित रजिस्टरड आवेदकों को आवंटित किए जाते हैं :––

(क) युद्ध में मारे गए सैनिकों की विधवाओं तथा विस्थापित सैनिक,

(ख) भूतपूर्व सैनिक

(ग) सेवारत सैनिक कर्मचारी ।

(7) स्कीम के 10 प्रतिशत मकान रजिस्टर्ड आवेदको को जो अनुसूचित जातियो तथा अनुसूचित कबीलो से सम्बन्धित हैं के लिए आवंटित किए जाते हैं ।

(8) स्कीम के 5 प्रतिशत मकान उन रजिस्टर्ड आवेदको को जो रजिस्टरी की तिथि को बोर्ड के कर्मचारी हैं, आवंटित किए जाते हैं ।

(न) वर्ष 1974– 75 के दौरान स्थान के आधार पर प्राप्त किए जाने वारने सम्भाव्य लक्ष्य निम्नानुसार हैं :–

	स्थान का नाम	ई ० डब्ल्यू ० एस ० मकानों की संख्या
1	फरीदाबाद	468
2	पानीपत	109
3	सोनीपत	128
4	यमुनानगर	117
5	अम्बाला चरण– I	51
6	करनाल चरण I–II	244
7	पंचकूला	147
		1, 264

Beas Dam

***847. Chaudhri Pokar Ram Godara :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state the time by which the Beas Dam is likely to be completed together with the benefits to be derived by the Haryana State on the completion of this project ?

State Minister for Irrigation and Power (Sardar Harmohinder Singh Chatha) : The Beas Dam has been completed, except the work of installation of gates, which is in progress and is likely to be completed before June, 1975. The Haryana State would share benefits both in respect of

Irrigation and Power.

चौधरी राम लाल वधवा : क्या मन्त्री महोदय बतायेंगे कि अभी पिछले दिनों मुख्य मंत्री जी ने बताया था कि हमें रावी व्यास डम से 6. 2 मिलियन एकड़ फीट पानी मिलेगा लेकिन पंजाब गवर्नमैंट ने एक प्रैस नोट जारी किया है जिसमें उन्होंने तीन बातें कही हैं । पहली बात यह कही है कि रावी का जो पानी है उस के अन्दर हरियाणा का हक नहीं है, दूसरी बात यह कही कि रावी व्यास वाटर हमें 48 टू 62 मिलियन एकड़ फीट जो हरियाणा के मुख्य मन्त्री ने कहा है, यह हकीकत के खिलाफ है । तीसरे उन्होंने कहा

Mr. Speaker : Order please. It is not a supplementary question. You are making a statement.

चौधरी राम लाल वधवा : मैं स्टेटमैंट नही कर रहा, फिगर्ज दे रहा हूं ताकि भूल पें जाऊ ।

Mr. Speaker : Please put a direct supplementary question which arises from the answer.

चौधरी राम लाल वधवा : तीसरा उन्होंने कहा है के टोटल 7 8 मिलियन एकड़ फीट पानी है जिस में से हरियाणा कैसे 6 2 मिलियन एकड़ फीट हासिल कर सकता है । इस विषय पर क्या मुख्य मन्त्री महोदय स्पष्टीकरण करेंगे?

मुख्य मन्त्री (चौधरी बंसी लाल) : स्पीकर साहब, मैंने यह नहीं कहा. था कि हमको इतना पानी मिलेगा । मैंने यह कहा था कि हमारी डिमांड यह है । पंजाब को कहने का हक है कि उन की डिमांड यह है या हमारा राईट है या नहीं है । The decision will be taken by the Central Government.

श्री ओम प्रकाश गर्ग : क्या मन्त्री महोदय बतायेने कि इस डैम की कैपेसिटी कितनी हे और इस साल कितना पानी स्टोर किया जाएगा?

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठा : 6 60 मिलियन एकड़ फीट है और इस साल 4 मिलियन एकड़ फीट स्टोर किया जाएगा जिस में से 3.2 मिलियन एकड़ फीट इस्तेमाल किया जाएगा और बाकी डैड स्टोर है ।

चौधरी चांद राम : क्या मन्त्री महोदय बतायेंगे कि पंजाब सरकार ने यह कहा हे कि हरियाणा के पास ब्यास–रावी के पानी लेने का कोई प्रबन्ध नही है, क्या हरियाणा ने कोई लिंक चौनल बनाई हुई है? इस के बारे में गवर्नमैंट स्पष्ट करे कि यह क्या बात है?

चौधरी बंसी लाल : पंजाब क्या कहे और क्या न कहे हम पंजाब के साथ कोई इशु ज्वायन नही करना चाहते । उन का अपना स्टैड है, हमारा अपना स्टैड हे । जब पानी मिलेगा हम इस्तेमाल करेंगे ।

श्री अमर सिंह : स्पीकर साहब, जैसा कि इन्होने कहा कि जून, 1975 तक व्यास डैम बन कर तयार हो जाएगा, क्या मन्त्री महोदय बतायेंगे कि इस से पहले बाकी सारी फौर–मैलिटीज पूरी हो चुकी हे या नही?

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठा : इस साल भी 4 मिलियन एकड़ फीट पानी स्टोर हो रहा है और इस में से इस साल भी' हमे एडीशनल पानी व्यास डैम से मिलेगा ।

चौधरी चांद राम : क्या कोई ऐसा निशाना है, डैड लाईन है जिस तक इसका फैसला हो जाएगा, हमारे क्लेम. का और पंजाब के क्लेम का?

Chaudhri Bansi Lal : There is no such dead line. That is to be decided by the Central Government. The State Governments of Punjab and Haryana cannot decide anything.

मलिक सतराम दास बत्तरा : क्या मन्त्री महोदय बतायेंगे कि इस पर अमांउट किस रेशो से खर्च होगा और यह कितने अर्से के अन्दर कम्पलीट हो जाएगा?

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठा : इस प्रोजैक्ट पर 60 रू 40 की रेशों से खर्चा दे रहे है और जो पावर प्रोजैक्ट है वह 1976 में कम्पलीट होने की आस रखते हैं, विचार रखते हैं ।

श्री ओम प्रकाश गर्ग : क्या मन्त्री महोदय बतायेंगे कि पानी किस रेशो से मिलेगा?

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठा: यह मुख्य मन्त्री महोदय ने बता दिया एं कि यह सैन्ट्रल गवर्नमैंट का काम है ।

चौधरी राम लाल वधवा : जैसा कि मुख्य मन्त्री महोदय ने कहा कि अभी इसका फैसला होगा, क्या हरियाणा सरकार इस बात पर डैफिनिट नहीं है कि इतना पानी मिलेगा और उसके अनुसार हरियाणा में कौन–कौन सी योजनाएं शुरू कर सकते हें?

चौधरी बंसी लाल : डैफिनिट बात कह दें तो फैसला ही हो गया

चौधरी राम जी लाल डागर: क्या मन्त्री महोदय बतायेंगे कि इस डैम पर कितना पैसा खर्च होना है?

चौधरी बंसी लाल : जब कम्पलीट हो जाएगा तब बता देंगे क्योंकि कीमतें बढ्ती चली जा रही हैं, क्या पता कहां टिकेगा?

Tractors/Combine Harvestors and Sprinklers

***853. Shri Behari Lal Balmiki :** Will the Minister for Agriculture be pleased to state—

(a) whether any Agricultural Credit Project has been sanctioned for importing tractors and combine harvestors in the State ; and

(b) whether the World Bank has provided any credit facilities for installing Sprinklers irrigation sets in the State ; if so, the number of such sets for which this facility

has been provided ?

कृषि मन्त्री (चौधरी भजन लाल) :

(क) जी हांय

(ख) हां, यह स्कीम इन्टर नैशनल डिवैल्पमैंट एसोसियेशन (जो विश्व बैंक काएक भाग है) द्वारा 19 लाख रुपये की धन–राशि से 75 स्प्रींकलर सैटों के लिए मन्जूर की गयी थी परन्तु इसको लागू नहीं किया जा सका । क्योंकि इन्टरनैशनल डिवैल्पमैंट ऐसोसिऐशन राज्य सरकार द्वारा ऋणी कृषकों को अनुदान देने के हक में नहीं थी, जिसकी राज्य सरकार ने अपने बजट में व्यवस्था करवाई थी । तदापि राज्य में कृषि पुनर्वित निगम द्वारा अनुमोदित 25 लाख रुपये की लागत से 165 स्प्रींकलर सैट्स लगाने की एक परियोजना कार्यान्वित की जा रही है अन्तरू अभी तक इस परियोजना के अन्तर्गत 4 77 लाख रुपये के 35 कर्जे स्वीकृत किये जा चुके हें ।

चौधरी चांद राम : क्या मन्त्री महोदय बतायेंगे कि जो स्प्रिंक्लर्ज सिचाई योजना भिवानी में चालू हुई थी, क्या यह चालू हे या फेल हो गई?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, अकेले भिवानी की बात नही है, जहां कहीं भी किसान लगाना चाहें, लगा सकते हैं और लगा रहे हें । यह योजना महेन्द्रगढ़, गुड़गांव और भिवानी डिस्ट्रिक्टस में चालू हे, फेल नही कही हुई, अच्छी कामयाब है ।

मलिक सतराम दास बतरा : क्या मन्त्री महोदय बतायेने कि कम्बाईड हारवैस्टर जो इस इलाके में इस्तेमाल हो रहा है, आज तूडी का भाव 8/10 रुपये है तो क्या यह हर इलाके में इस्तेमाल हो सकता है?

चौधरी भजन लाल : हमारे पास 60 कम्बाईड हारवैस्टर्ज हैं । हम किसी के साथ धक्का नही करते कि जरूर फसलें–कटवाए । जब फसल एकदम पक जाती हे तो बरसात का डर होता है और किसानों की डिमाड बहुत ज्यादा होती है । जितनी डिमांड होती है उतनी हम फसल काट भी नहीं पाते है ।

Mr. Speaker : Next question. Shri K.N. Gulati.

श्री के०एन०गुलाटी : स्पीकर साहब, सवाल का नम्बर बताने से पहले मेरी आप से एक अर्ज है । मेरा एक क्वैश्चन था, उसको काट कर आधा आज डाल दिया और आधा 15 तारीख में डाल दिया । या तो इस को 1 5 तारीख में ले जाएं या 15 तारीख वाला आज ले आएं ।

Mr. Speaker : Please state the number of your question.

Police Post No. I

***860. Shri K.N. Gulati :** Will the Minister for Home be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the Police Post No. 1, N.I.T. Faridabad is at present, attached with Police Station in

Sector 15;

(b) if so, whether there is any proposal under consideration of the Government to attach the said Police Post with Police Station No. 5; and

(c) if the reply to part (a) above be in the affirmative the time by which the said Police Post is likely to be attached to Police Station No. 5 ?

State Minister for Home & Health (Shrimati Sharda Rani) :

(a) Yes.

(b) No.

(c) In view of reply to part (b) above, no reply is called for.

श्री के० एन० गुलाटी : मैं मंत्री महोदय से निवेदन करूंगा कि पुलिस पोस्ट नं० 1 को पुलिस स्टेशन नं० 5 के साथ लगा दिया जाए और ओल्ड–फरीदाबाद को सैक्टर 15 के साथ लगा दिया जाए, क्योंकि ये एक दूसरे के नजदीक लगते हैं । क्या ऐसी तजवीज सरकार के अंडर कंसीडेरशन है?

श्रीमती शारदा रानीः जी नही । कारण यह है किं ऐसा करने से केसिज की जो एवरेज है, दोनों का जो फर्क है! वह बहुत ज्यादा हो जाएगा । इस समय इनकी रिक्वैस्ट पर सुविधा के लिए ऐसा कर दिया है कि पुलिस पोस्ट न० 1 पर एक एन० जी ०ओ० बैठा दिया गया है, जो वहां पर लोगों कीं कम्पलेंट सुनेगा

और फिर उनको यह परेशानी नही होगी । पुलिस पोस्ट नं ० 5 के साथ लगाने की कोई अनवर क्र ता नही है, क्योंकि फासला सिर्फ एक मील का है ।

श्री ओम प्रकाश गर्ग : अगर गुलाटी साहब केसिज बढ़ा दें तो कंसीडर करेगे? (हंसी)

श्रीमती शारदा रानी : जी हां, उन्होंने अभीं–अर्भा केसिज बढ़ा रखे हैं और दो और नए पुलिस स्टेशन वहां खोलने का इरादा क्या जा रहा है ।

श्री के० एन० गुलाटी : क्या मिनिस्टर साहिबा बताने की कृपा करेगी कि फरीदाबाद में कितने केसिज है और एक नंबर चौकी में कितने केसिज हैं?

10.00 बजे

मुख्य मन्त्री (चौधरी बसी लाल) : स्पीकर साहब, यह क्या झगडा है? इन दोनो की कास्टीच्युएसीज वही है, आपस में बांट ले । (हंसी)

श्रीमती शारदा रानी : स्पीकर साहब, केसिज का स्टेटमैंट इस वक्त मेरे पास नही है ।

श्री अध्यक्ष : बटवारा और कोई करेगा तो बात बनेगी । (हसी')

Flood Control

***884. Chaudhri Ram Parshad :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state the measures taken so far to control the flood water of Sahibi Nadi which affects the areas in Bawal Constituency ?

State Minister for Irrigation & Power (Sardar Harmohinder Singh Chatha) : A scheme, for flood moderation of Sahibi Nadi envisaging construction of a barrage and storage bunds, near village Masani, has been investigated

चौधरी मनफूल सिंहः क्या मिनिस्टर साहब बताने की कृपा करेगे कि साहबी नदी में कितना इनटेक होता है?

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठाः यह बारिश पर डिपैन्ड करता है । बहरहाल इसका पानी हरियाणा मैं भी नुकसान करता है और आगे चलकर दिल्ली में भी नुक्सान करता है । जो स्कीम बनाई गई है उस–कें बारे में हमने सैन्ट्रल वाटर एण्ड पावर कमिशन को लिखा है कि पचास परसैट एक्सपैन्डीचर या तो सैन्ट्रल गवर्नमैंट दे या दिल्ली एडमिनिस्ट्रेशन दे और पचास परसैन्ट हम दे । इसका एडवान्टेज हमे भी है और उर हे भीं है ।

चौधरी मनफूल सिंह : क्या मिनिस्टर साहब बता ने की कृपा करनें कि पिछले साल ज्यादा से ज्यादा कितने क्युसिक पानी आया अपनी स्टेट में और कौन–सा साल है जिसमे ज्यादा से ज्यादा पानी आया?

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठा : ये फगर्ज तो मेरे पास इस वक्त नही हैं।

चौधरी मनफूल सिंह : बगैर फिगर्ज के फिर क्या बात बनेगी?

चौधरी फूल सिंह कटारिया : क्या मिनिस्टर साहब बता ने की कृपा करेगे कि पिछले साल झज्जर तहसील में कितना इलाका इस साहबी नदी से खराब रहा?

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठा : स्पीकर साहब, यह तो मैं इस समय ही बता सकता लेकिन चौधरी' मनफूल सिंह जी वाली फिगर्ज मुझे मित्र गई है । 68178 क्युसिक पानी पिछले साल आया और इतना ही स्टोरेज बनाने का हमारा इरादा है ।

मलिक सतराम दास बत्तरा : क्या मिनिस्टर साहब, बताने की कृदा करेगे कि कोई ट्यूबवैल्ज लगाने की योजना भी है?

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठा : जी हां 27 ट्यूबवैल्ज लगे है और एक सौ लगाने का प्रोजैक्ट है ।

श्री अमर सिंहः क्या मिनिस्टर साहब बताने की कृपा करेगे कि साहबी नदी के फलड को कन्ट्रोल करने से पहले इससे कितने–कितने एकड एरिया पिछले तीन सालो में खराब होता रहा?

सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठा : स्पीकर साहब, साहबी नदी से कितना एरिया खराब होता रहा ये फिगर्ज इस वक्त मैं नही बता सकत। । बहरहाल एक बात है कि इससे एरिया खराब भी होता है और इससे हमें मीठा पानी भी मिलता है ।

Concessions to Ex-Servicemen

***891. Chaudhri Phul Singh Kataria :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the various kind of concessions given to ex-servicemen in the state ;

(b) whether it is a fact that reservation for ex-servicemen has been stopped in Class I and II Services in the State, if so, the reasons therefor; and

(c) the total number o Government jobs provided to ex-servicemen belonging to backward Tehsil of Jhajjar during the period from 1st January, 1970 to 31st March, 1974, in Class I, II, III and IV services, separately ?

Chief Minister (Chaudhri Bansi Lal)

(a) The concessions given to ex-servicemen by the Haryana Government are enumerated in the booklet 'JAI JAWAN' a copy of which is placed on the table of the House*.

(b) Yes, keeping in view the policy of the Central Government, r servation for ex-servicemen in respect of Class I and II posts has been stopped.

(c) Time and labour involved in collecting the

information will not be commensurate with any possible benefit to be obtained.

चौधरी फूल सिंह कटारिया : स्पीकर साइत, अभी–अभी मुख्य मंत्री जी ने बताया कि सैन्ट्रल गवर्नमैंट के कहने पर उन्होंने क्लास वन– और क्लास टू में रिजर्वेशन नही रखी है । क्या मैं उनसे जान सकता हूं कि पंजाब और हिमाचल में जब यह रिजर्वेशन है तो यहा क्यों बन्द कर दी गई?

चौधरी बंसी लाल : दूसरी स्टेट्स के बारे में, स्पीकर साहब, मैं कुछ नही कह सकता ।

चौधरी चांद राम : स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी ने बताया कि क्लास वन और क्लास टू में रिजर्वेशन गवर्नमैंट आफ इडिया के निर्देश पर बंद की गई है । क्या चीफ मिनिस्टर साहब यह बताने की कृपा करेंगे कि इस बात के पेशे नजर कि हमारी स्टेट सैनिकों की स्टेट है भारत सरकार को इस सम्बन्ध में फिर लिखा जाएगा कि क्लास वन और क्लास िमें जैसे हरिजनों के लिए रिजर्वेशन है और गवर्नमैंट आफ इंडिया में जैसे सैनिकों के लिए भी रिजर्वेशन है, उसे यहां भी रैस्टोर करेंगे?

चौधरी बंसी लाल : इस बात को सिम्पेथेटिकली कंसीडर करेगे ।

तारांकित प्रश्न नं. 896

यह प्रश्न पूछा नहीं गया क्योंकि माननीय सदस्य इस समय सदन में उपस्थित नही थे ।

Hospitals and Dispensaries

***897. Chaudhri Brij Lal :** Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) the district-wise total number of hospitals, dispensaries, health centres and sub-centres in the State as on 31st May, 1968 and as on the 31st March, 1974, separately ;

(b) the district-wise total number of hospitals, dispensaries, health centres and sub-centres located in the rural areas of the state as on 31st March, 1974; and

(c) the district-wise total number of hospitals, dispensaries, and health centres and sub-centres likely to be opened during the Fifth Five Year Plan ?

गृह तथा स्वास्थ्य राज्य मन्त्री (श्रीमती शारदा रानी) : (ए) (बी) तथा (सी) विवरणी सदन के पटल पर रखी जाती हैं ।

STATEMENT

(a) The District-wise total number of hospitals, dispensaries, health centres and sub-centres in the State as on 31st May,- 1968 and as on the 31st March 1974, was as under :-

No. as on

District	31.5.1968				31.3.1974				
	H.	D.	PHC.	Sc.	H.	D.		PHC.	Sc.
Ambala	11	18	8	48	18	23	8	67	
Bhiwani	—	—	—	—	9	15	7	52	
Gurgaon	9	22	15	87	10	25	13	100	
Hissar	16	30	18	105	13	27	15	128	
Jind	2	3	6	33	5	7	7	63	
Karnal	6	20	17	93	3	15	9	74	
Kurukshetra	—	—	—	—	4	10	6	60	
Mohindergarh	6	5	9	51	5	13	8	65	
Rohtak	9	25	16	93	11	18	9	74	
Sonepat	—	—	—	—	2	12	7	60	
	59	123	89	510	80	165	89	743	

(b) The district-wise total number of hospitals, dispensaries, health centres and sub-centres located in the rural area of the State as on 31st March, 1974 was as under :—

District	No.	located	in rural areas.

	H.	D.	PHC.	Sub-Centres
Ambala	1	12	7	67
Bhiwani	2	12	6	52
Gurgaon	—	15	8	100
Hissar	1	20	14	128
Jind		3	6	63
Karnal	—	9	7	74
Kurukshetra	—	7	4	60
Mohindergarh	—	10	5	65
Rohtak	2	11	9	74
Sonepat	—	10	5	60
	6	109	71	743

(c) The total number of hospitals, dispensaries, Primary health Centres and sub-centres proposed to be opened during the 5th Five Year Plan (depending upon, the availability of funds) is 21, 100, 5 and 133 respectively. Their allocation district-wise has not so fra been decid ed.

Kurukshetra University

***898. Shri Prem Sukh Dass :** Will the Minister for Education be pleased to state the yearwise total amount of

grant given to the Kurukshetra University in the years 1968-69, 1969-70, 1970-71, 1971-72, 1972-73, and 1973-74, separately ?

शिक्षा तथा परिवहन राज्य मन्त्री (श्रीमती प्रसन्नीं देवी) : विवरण–पत्र सदन के पटल पर रखा जाता है ।

Statement showing the year-wise grants given by the Haryana Governmcnt to the Kurukshetra University from 1968-69 to 1973-74.

Year	Committed grant (Non Plan) (Rs.)	Development grant (Plan) (Rs.)
1968-69	23,00,000	20,00,000
1969-70	29,46,000	25,00,000
1970-71	30,95,000	40,00,000
1971-72	51,63,000	50,00,000
1972-73	42,24,069	30,00,000
1973-74	48,50,000	50,00,000

श्री के० एन० गुलाटी : क्या आनरेबल मिनिस्टर साहब बताने की कृपा करेंगे कि सी० एम० साहब ने जो हरियाणा के कालेजों को कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के साथ ऐफिलिएट करने का बेहतरीन काम किया है उसके परिणाम स्वरूप पंजाब यूनिवर्सिटी से जो स्टाफ लिया जाएगा वह किन शर्तों पर लिया जाएगा?

श्री माडू सिंह मलिक : स्पीकर साहब, इसका फैसला पंजाब यूनिवर्सिटी के बाईस चांसलर और कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के वाईस चांसलर की मीटिंग में हो चुका है और जो स्टाफ लिया जाएगा वह इन दोनों की मर्जी से ही लिया जाएगा ।

श्री के० एन० गुलाटी : क्या आनरेबल मिनिस्टर साहब यह बताने की कृपा करगे कि पंजाब यूनिवर्सिटी से जो स्टाफ लिया जाएगा उनसे औप्शन ली जाएगी कि क्या वे यहां आना चाहतेहैं या नहीं?

श्री माड़ सिंह मलिकः जी नहीं ।

Agricultural University Hissar

***899. Comrade Ram Kishan Azad :** Will the Minister for Agriculture be pleased to state the total amount of grant given to the Haryana Agricultural University, Hissar, during the years 1971-72, 1972-73 and 1973-74, separately ?

कृषि मन्त्री (चौधरी भजन लाल) :

वर्ष	हरियाणा सरकार द्वारा दिए गए अनुदान की राशि
	रुपए
1971— 72	25848285

1972– 73	23247151
1973– 74	23833560
जोड	72928996

चौधरी राम लाल वधवा : क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेगे किं 1974– 75 में कितनी ग्रांट देने का फैसला हुआ है?

चौधरी भजन लाल : अभी इसका फाईनल फैसला नही हुआ है ।

चौधरी चांद राम : क्या मिनिस्टर साहब यह बताएंगे कि यह जो ग्रांट दी गई है इसमें से बिल्डिगज के लिए ज्यादा खर्च किया गया या बीज और अनुसंधान आदि के लिए ज्यादा खर्च किया गया?

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, सभी बातों पर खर्च होता है । इसमें से बिल्डिगज पर भी खर्च होता है, रिसर्च सैन्टर पर भी खर्च होता है, रिसर्च भी करते है और इसमें से यत भी खरीदते हैं । सभी कामों पर खर्च किया जाता है ।

चौधरी चांद राम : क्या मिनिस्टर साहब, इसकी ब्रेक–अप कि कितना भवन के लिए खर्च किया गया और कितना रिसर्च तथा बीज आदि के लिए खर्च किया गया, बताने की कृपा करेगे?

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, सरकार यूनिवर्सिटी को इकट्ठी ग्रांट देती है । आगे यूनिवर्सिटी का काम है कि किस चीज पर उसे खर्च करना है और जहां जायज खर्च करने की बात होती है उसी जगह यूनियर्सिटी खर्च करती है ।

चौधरी राम लाल वधवाः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि सरकार ग्रांट देने के साथ साथ इस प्रकार का निर्देश नहीं देती किं इतने इतने काम पर इतने–इतने पर– सैन्ट से ज्यादा खर्च न किया जाए?

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, जैसा मैंने अभी बताया जहां ऐग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी जरूरी समझती है कि इस बात पर पहले खर्च होना चाहिए उसी चीज पर खर्च होता है ।

चौधरी चांद रामः क्या गवर्नमैंट का यह काम नही, जब रुपया थोड़ा है हमारी सरकार के पास, कि वह ऐग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी को यह निर्देश दे कि प्रोडक्टिव काम पर ज्यादा खर्च करना चाहिए न कि अप–प्रोडक्टिव काम पर?

चौधरी भजन लाल : माननीय सदस्य अच्छी तरह जानते है कि ऐग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी हमारे। हिन्दुस्तान में आज दूसरे नम्बर की यूनिवर्सिटी है ।

चौधरी चांद राम : क्या भवन के लिहाज से?

चौधरी भजन लाल : हर लिहाज से । पंत नगर को छोड्कर हमारी यूनिवर्सिटी इस समय हिन्दुस्तान में दूसरे नम्बर पर है । अध्यक्ष महोदय, जहां जरूरी समझा जाता है, वहां ही पैसा खर्च होता है । यह यूनिवर्सिटी बहुत अच्छा काम कर रही है । इसी यूनिवर्सिटी से विशेषज्ञ लेकर के हम सारे प्रांत के अन्दर डिमांस्ट्रेशन देते हैं, अच्छी तरह से कम्पेन चल रहा है और वार फुटिंग पर हमारी ऐग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी काम कर रही है ।

श्री अमर सिंह : क्या मंत्री महोदय, यह बताने की कृपा करेंगे' कि 1971– 72 से लेकर 1974– 75 तक, इन ती न चार सालों में, इस यूनिवर्सिटी में रिसर्च पर कितना पैसा खर्च किया गया?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इसके लिए सैप्रेट नोटिस चाहिए । रिसर्च पर, दवाईयो पर, बीज पर और दूसरी चीजों पर कितना–कितना पैसा खर्च हुआ, यह जानने के लिए ये अलग से नोटिस दे दें मैं जवाब दे दूंगा ।

चौधरी राम लाल वधवाः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने अभी फरमाया कि अपनी यूनिवर्सिटी नम्बर 2 पर है । क्या वे बताने यह की कृपा करेगे कि यह यूनिवर्सिटी किन बातों में नम्बर 2 है.

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, यह तो अभी अभी मैंने बताया रिसर्च का काम करने में, प्रांत की ऐग्रीकएचरल प्रोडक्शन बढाने में यूनिवर्सिटी का बहुत बड़ा सहयोग है ।

चौधरी पीर चन्दः क्या मिनिस्टर साहब बताएंगे कि ऐग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी को जो ग्रांट दी जाती है, उसको सरकार चौक भी करती है कि रुपया ठीक लग रहा है या नहीं?

चौधरी भजन लाल : उसके लिए बकायदा ऑडिट होश है । फिर भी मैं मैंबर साहब की सूचना के लिए बता दूं कि पैसा ठीक खर्च हुआ है और ठीक तरीके से काम हो रहा है ।

चौधरी राम लाल वधवा : क्या यह मत्री महोदय की जानकारी में है कि जो रुपया एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी को दिया जाता है, उसका 70 फीसदी बिल्डिंग पर खर्च होता है और बाकी कामों में केवलतीस परसैंट खर्च होता है?

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, हमारी ऐग्रीकल्चर यू?निवर्सिटी पहले पंजाब यूनिवर्सिटी का भाग होती थी । फरवरी, 1970 में हमारी ऐग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी पंजाब ऐग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी से अलग हुई । अध्यक्ष महोदय, जब एक नई यूनिवर्सिटी बनती है, बिल्डिग पर भी पैसा खर्च करना पड़ता है । इसमें शक नहीं कि बिल्डिग पर खर्च हुआ है, लेकिन नई यूनिवर्सिटी बनाने के लिए बिल्डिग पर पैसा खर्च करना पड़ता है ।

चौधरी चांद राम : क्या मंत्री महोदय बताएंगे इस भवन में एयर कंडीशनर भी लगाया गया है?

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, जहां जरूरत समझी गई वहां पर एयर–कंडी– शनर लगाए गए । जब चौधरी चांद राम जी अपने घर में बगैर एयर कंडीशनर के नही रह सकते तो वहां भी जहां जरूरत समझी गई है वहां पर लगाए गए है ।

चौधरी चांद रामः स्पीकर साहब, अगर मेरे घर परहों तो बेशक उतार लें ।

चौधरी रामजी लाल : डागर क्या मंत्री महोदय बताने का यह कष्ट करेंगे कि सैन्ट्रल गवर्नमैंट से भी यूनिवर्सिटी को सहायता मिली है? अगर मिली है तो किस साल में कितनी कितनी मिली है?

चौधरी भजन लालः जी हां, सैन्ट्रल गवर्नमैंट से भी काफी धन–राशि मिली है । आई० सी० ए० आर० से 97 लाख 1 9907 रुपए 57 पैसे, सन 1972–73 में एक करोड़ 31 लाख 1885 रुपए 13 पैसे और सन 1973–74 में 45 लाख 45 हजार 862 रुपए 67 पैसे ।

चौधरी राम लाल वधवा : क्या मंत्री महोदय यह बताने का कष्ट करेंगे कि जो स्टूडैन्टस एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी से शिक्षा प्राप्त करके निकलते हैं उनको नौकरी दिलाने का भी सरकार ने प्रबन्ध किया है?

Mr. Speaker : It is not a supplementary to this question.

Villages Connected by Roads

***902. Shri Hari Singh :** Will the Minister for Revenue be pleased to State—

(a) the total number of villages in the state at present ;

(b) the total number of villages out of those referred to in part (a) above connected by roads alongwith the total mileage of metalled roads in the State as on 31st May, 1968;

(c) the total number of villages connected by roads as on the 31st March ,1974 alongwith the total mileage of metalled roads on the said date; and

(d) the total number of villages which are proposed to be connected with metalled roads. during the year 1974-75 alongwith the approximate mileage thereof ?

Revenue Miniser (Pandit Chiranji Lal Sharma) :

(a) 6731

(b) (i) 1500

(ii) 5650 Kms.

(c) (i) 4208

(ii) 13930 Kms .

(d) The exact position cannot be given at this stage. It will depend on the availability of funds during 1974-75.

श्री हरि सिंह : क्या मंत्री महोदय यह बताने का कष्ट करेंगे कि मेरी कांस्टीच्युऐंसी में तीन सड़कें हैं और उन तीनों को चीफ मिनिस्टर साहब ने मंजूर किया था ताजपुर से बापरी, अधमी से ननहेडा और नीबडी. से रिसालू इनको कब तक पूरा कर दिया जाएगा?

Pandit Chiranji Lal Sharma : I do not know Sir, whether the hon. Chief Minister had passed that order. I will examine it.

चौधरी चांद राम : क्या मंत्री महोदय यह बताने का कष्ट करेंगे कि सड्कों के कई जगह ऐसे हिस्से हैं जहां पर पुलों के दोनों तरफ मिट्टी डाल दी है और वहां पर खड्डे पड़ गए हैं, वैसे वह सड़क मुकम्मल है जैसे गन्नौर से बेगा सड़क है और इसी तरह की और भी. रोड्ज हैं, इतको पहले मुकम्मल करेंगे?

Pandit Chiranji Lal Sharma : Certainly, Sir; priority will be given to such small works.

चौधरी फूल चन्द (मुलाना) : क्या मंत्री महोदय के नोटिस में ऐसे केसिज हैं कि कुछ सड्कों से वहां मटीरियल उठाया जा रहा है और उस मैटीरियल को दूसरी सड़कों पर लगा रहे हैं तो ऐसा क्यों किया जा रहा हे?

Pandit Chiranji Lal Sharma : At least no such case has come to my notice. If the hon. Member brings such a case to my notice, I will look into **it.**

चौधरी फूल सिंह कटारिया : क्या मंत्री महोदय यह बताने का कष्ट करेंगे कि रोहतक से झज्जर सड़क की जो वाइडनिंग हो रही हो अब वह बिल्कुल खराब पडीहुई है, उस पर हमारी मोटरें भी खराब होती हैं, इसलिए उसको जल्दी से जल्दी ठीक कराने की कोशिश करेगे?

Pandit Chiranji Lal Sharma : Certainly, Sir, This is in my knowledge. **I** have seen the road in question myself. Government has taken a decision to widen the Rohtak-Jhajjar Road. But, it all depends upon the availability of funds. We are short of funds and we cannot proceed with the work till funds are available.

श्रीमती लेखवती जैन : क्या मंत्री महोदय इस बात पर गौर करेंगे कि जो गांव पक्की सड्कों से मील आधा मील के फासले पर हैं उनको बनाने की प्रायरटी देंगे? पांच– पांच मील लम्बी रोड बनाने की बजाए एक–एक मील और आधा–आधा मील की रोड बनाने से ज्यादा गांवों को फायदा हो सकता है ।

पंडित चिरंजी लाल शर्मा : डिप्टी स्पीकर साहिबा का सवाल कुछ वेग है । अगर वे कहते हैं कि मील या आधा मील की जो सड़कें बाकी हें, उनको कम्पलीट करने की बात है तो मेरा

जवाब कुछ और होगा और अगर किसी लिंक रोड को जो मील या दो मील या आधा मील की है तो उसका जवाब दूसरा होगा ।

श्रीमती लेखवती जैन : आप दोनों का ही जवाब दे दीजिए ।

पंडित चिरंजी लाल शर्मा : स्पीकर साहब बात यह है कि जो छोटी–छोटी नई लिंक रोडज हैं मील या डेढ़ मील की उनको प्रायरटी देने की कोई प्रोपोजल नही है । जहां तक ऐसी सड्कों का ताल्लुक है, जिन पर मिट्टी पड़ी हुई है, मलबा पड़ा हुआ है! ईटें पड़ी हुई हैं, उनको भी प्रायरटी दी जाएगी दूसरे उन सड्कों को जिनकी सोलिग हुई है, स्टोन मैटल पडा है, उन सड़कों को भी कम्पलीट करने में प्रायरटी दी जाएगी ।

श्री अमर सिंह : क्या मंत्री महोदय यह बताने का कष्ट करेंगे कि हिसार से लोहारू वाया मंगोली और वाया हरीता रोड है, चक्रवर्ती नहर बनने के पश्चात् वहां पर कोई डेढ़ मील का टुकड़ा बाकी पड़ा हुआ है, जनवरी सैशन में मिनिस्टर महोदय ने अश्यो– रैंस भी दी थी लेकिन अम्मी तक उस पर कोई अमल नहीं हुआ, उसको कब तक कम्पलीट कर दिया जाएगा? 44 मील लम्बी रोड़ में केवल डेढ़ मील का टुकड़ा इन–कम्प्लीट पड़ा हुआ है ।

Pandit Chiranji Lal Sharma ; This is with respect to a particular road It has not come to my notice. **I** am not in a position to give any positive reply.

चौधरी मेहर चन्द : स्पीकर साहब, मेरे हल्के में यूक ही सैन्ट्रल रोड़ है, खाराखेडी से भट्टू । क्या मंत्री महोदय यह बताने का कष्ट करेंगे कि जब उस रोड पर जगह–जगह पर मैटीरियल पडा हुआ है, उसको फिर भी क्यों नही बनाया जा रहा है? मेरे हल्के के साथ यह डिस्क्रिमिनेशन क्यों किया जा रहा हे?

Pandit Chiranji Lal Sharma : I can say with confidence, nay with a sense of responsibility, that no discrimaination with any constituency is shown by the Government.

चौधरी मनफूल सिंह : जो जिला परिषद् की रोडज हैं, उनको कब तक टेक–ओवर कर लेंगे?

Pandit Chiranji Lal Sharma : Zila Parishad roads, Mr. Speaker, Sir have been taken over by the Government.

श्री हरि सिंह : क्या मंत्री महोदय यह बताने काँ कष्ट करेंगे कि अगर चीफ मिनिस्टर साहब के फाईल पर आर्डर मिल जाएं कि इन सड्कों को कम्प्लीट कर दिया जाए तो उन पर कब तक काम शुरु हो जाएगा?

Pandit Chiranji Lal Sharma : I have already stated, Sir, Government would certainly give priority to the commitments made by the hon. Chief Minister. But, it all depends upon the availability of funds.

श्री ओम प्रकाश गर्ग : क्या मंत्री महोदय यह बताने का कष्ट करेगे कि सड़कों के बीच में पैचिज रह गए हैं, जिनकी वजह से सड़क बेकार पड़ी है, उनको ठीक कराने पर गौर करेंगे?

Pandit Chiranji Lal Sharma : Certainly. Sir.

चौधरी शिव राम वर्मा : क्या मंत्री जी बताएंगे कि जो सड़कें बन चुकी हैं वहां पर टारिंग नहीं हुई है, वहां पर रोडी कूटी जा चुकी हैं, जैसे नीलोखेडी व्लाक में ऐसी कई सउके हैं, और वे डेढ़–डेढ़ साल भर से पड़ी हुई हैं, क्या उनको बनाने में पहले प्रायरिटी देंगे?

Pandit Chiranji Lal Sharma : Sir, top priority will be given to the tarring work. Consolidation work and construction work will start in July and August onwards. Tarring work is in progress.

श्रीमती लेखवती जैन : जैसा कि मत्री महोदय ने बताया है कि जिला परिषद की रोडज को गवर्नमैंट ने टेकओवर कर लिया है तो मुस्तफाबाद रोड़ पर मलबा भी पड़ा हुआ है, उसकी मुरम्मत की निहायत जरूरत है क्या उसको ठीक करने की जल्दी से जल्दी अफसरों को हिदायत करेंगे?

मुख्य मन्त्री (चौधरी बंसी लाल) : मुरम्मत कर दी तो फिर पुलिस एक्सैस का जिक्र आ जाता है । (हंसी)

पंडित चिरजी लाल शर्मा : स्पीकर साहब, करैन्ट ईयर में तो सड़कों की रिपेयर ही करनी है । नई सड़के नहीं बनानी हैं । मिनीमम नीड प्रो 'गम के तहत करीबन 15 लाख रुपया मिला है, नई सड़क बनाने' का तो सवाल ही नही है ।

Shrimati Lekhwat Jain : Thank you,

चौधरी मनफूल सिंहः क्या मन्त्री महोदय यह बताने का कष्ट करेंगे कि अगर जिला परिषद की रोडज को गर्नवमैंट ने टेक ओवर कर लिया है तो झज्जर से छूछकवास का तीन–चार मील का टुकडा है उसको कब तक बना दिया जाएगा?

पंडित चिरंजी लाल शर्मा : जो सड़के अधूरी पड़ी हैं, वहा पर न सोलिग हुई, न स्टोन पड़ा है उनको अभी पूरा करने का कोई सवाल ही नहीं है क्योंकि फन्दज की कमी है ।

श्री अमर सिंह : क्या मन्त्री महोदय यह बताने का कप्ट करेंगे जो मैनटींनैन्स डिपार्टमैंट में फोर्थ कलास एम्पलायज लगे हुए थे उन बहुत सारो को रिर्टेरच कर दिया गया हैं, क्या यह हकीकत है?

पंडित चिरंजी लाल शर्मा : मेरे नोटिस में ऐसी कोई चीज नहीं आई, बल्कि हमारी सरकार ने for the first time in the history of P.W.D. जो वर्कचार्ज पी. डब्ल्यू. डी डिपार्टमैंट में काम करते थे और जिनकी सर्विस पांच साल की थी उन सब को

रिकार्ड देखने के बाद रेगुलर कर दिया गया है । किसी को भी रिटैंरच नहीं किया गया है ।

Pandit Chiranji Lal Sharma : I have already given the replies as a matter of policy.

चौधरी राम प्रशाद : क्या मन्त्री महोदय यह बतायेने कि बावल से झाझवा सडक का 7 मील का टुकड़ा तैयार हो चुका है, उसके साथ का एक मील का टुछडा कच्चा है, न बस जा सकती है, न टैम्पो जा सकती है, क्या सरकार उसको बनाने की कृपा करेगी?

Pandit Chiranji Lal Sharma : I would look into it and if the work is held up simply because of a bridge or a culvert, **I** will certainly look into it.

श्री ओम प्रकाश गर्ग : स्पीकर साहब, मेरे हल्के में बवानी खेडा से लूखी की एक सड़क है, उस सड़क को बने कई साल हो चुके हैं, लेकिन लिंडे का पुल न बनने से तमाम सड़क बेकार पड़ी है, क्या उसको जल्दी से जल्दी बनाने का ख्याल करेंगे?

चौधरी पीर चन्द : क्या मन्त्री महोदय यह बताएंगे कि जिन सड़कों से मैटिरियल उठाया गया है या उठाने लग रहे हैं, क्या उन सडकों को भी दोवारा मैटीरियल डालकर इसी साल में बनवाया जाएगा ?

पंडित चिरंजी लाल शर्मा : मेरे नोटिस में यह बात नहीं है कि मैटीरियल एक सड़क से उठाकर किसी और सड़क पर लगाया जा रहा है ।

श्री गौरी शंकर : क्या मंत्री महोदय यह बताएंगे कि जो नरवाना से टोहाना सड़क मंजूर हुई हुई है, उसमें से 15–– 1 6 मील बन चुकी' है, 3 क्लिोमीटर बाकी है, उसको जल्दी से पूरा करने की कोशिश की जाएगी ताकि हमे जो आने–जाने के लिए 15– 20 मील का चक्कर लगाकर जाना पड़ता है, वह चक्कर बच सके?

Pandit Chiranji Lal Sharma : Priority will be given to this.

चौधरी फूल चन्द (मुलाना) : स्पीकर साहब, मिनिस्टर साहब ने पूछा है कि किन– किन सड्कों से मैटीरियल उठा है । क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि तहसील अम्बाला ने अभोआ छप्पर रोड से एक मीरन तक का मैटीरियल क्यों उठा है? दुलाना विलेज की लिंक रोड़ से और घनौरा विलेज की लिंक रोड से मैटीरियल क्यों उठा है?

पंडित चिरंजी लाल शर्मा : मेरी नौलेज मेंकोई ऐसी जगह नहीं है जहां से मैटीरियल उठाया गया हो ।

Mr. Speaker : There have been sufficient number of supplementaries on this question. Next question now, Shri Siri Kishan Dass.

Share of Beas Water

***912. Shri Siri Kishan Dass** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the share of the State in Beas water ; and

(b) the time by which the Sutlej Beas Link is likely to be completed ?

सिंचाई तथा बिजली राज्य मन्त्री (सरदार हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठा) : स्पीकर साहब, इस सवाल का जवाब सवाल नम्जूर, 847 के जवाब में पहले आ चुका है और इस का भी सारा वही जवाब है ।

चौधरी मेहर चन्द : वैसे तो इस बारे में जवाब आ चुका है, लेकिन मैं एक सवाल जरूर पूछना चाहूंगा । क्या मंत्री महोदय यह फरमाएंगे कि पंजाब का यह जो स्टैण्ड है कि हरियाणा इस पानी में सिर्फ 9 लाख एकड फीट का हकदार है, क्या यह जस्टीफाईड है? अगर जस्टीफाईड नही है तो क्या इस बारे में रौशनी डालेंगे कि उसके ग्राऊंडज क्या हैं?

मुख्य मन्त्री (चौधरी बंसी लाल) : स्पीकर साहब, यह केस गवर्नमैंट आफ इंडिया के पास अन्डर कन्सीड्रेशन है । अगर हम इसको यहां डिस्कस न करें तो ज्यादा अच्छा है ।

चौधरी चांद राम : स्पीकर साहब, जो बांध है वह वहां पर तो मुकम्मल होने जा जा रहा है लेकिन क्या उस पानी को

वहां से हरियाणा में लाने के लिए कोई लिंक चौनल बनाने के लिए सरकार ने प्रबन्ध किए है?

Mr. Speaker : It does not arise out of this question.

चौधरी चांद राम : इसका जवाब कहां से मिलेगा.

Mr. Speaker Separate notice may be given.

The Question Hour is over.

अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर

Loans for the Purchase of Tractors

308. Shri Amar Singh : Will the Minister for Social Welfare and Taxation be pleased to state —

(a) the total amount given by the Haryana Kalyan Nigam to the Harijans for the purchase of the Tractors in Hissar District from the date of its constitution to-date ;

(b) the names and addresses of such loanees of Hissar District alongwith the total acreage of agriculture land owned by each of them ;

(c) the number and names of the loanees who actually purchased the Tractors after obtaining the loans from the Harijan Kalyan Nigam as referred to in part (a) above ; and

(d) the total amount of loans so far recovered from the loanees as referred to in part (a) above alongwith the list of defaulters, if any ?

Social Welfare and Taxation Minister (Shri Shyam Chand) :

(a) Rs. 3,96,000.00

(b&c) A statement is attached at Annxure 'A';

(d) (i) Rs. 1,39,522.26

(ii) All the loanees shown at Annexure 'A' are defaulters.

ANNEXURE 'A'

List of loanees of Hissar District showing their names and addresses to whom the tractor loans have been advanced by the Haryana Harijan Kalyan Nigam Limited

Sr. No.	Name	Parentage	Village	Land owned by the loanee	Whether the loanee has purchased the Tractor or not ?
	Sarvshri—	Sarvshri-			
	Chander Bhan	Gobind Ram	Behalpur		The letter of delivery
	Hari Singh	Devi Chand	-do-		of the tractor by the Firm to the loanees
	Dhani Ram	Devi Chand	-do-		togetherwith the

	Ram Singh	Asha Ram	Bhadon Pati		tractor engine and chasls No. or the
	Fateh Chand	Nanda Ram	-do-		certificate of regis-
	Ram Sarup	Bhupa Ram	-do-		tration of the tractor is available on
	Munshi Ram	Gulab Singh	Dhaka Basti		record in the first
	Atma Ram	Devi Chand	Behalpur		21 cases which shows that the
	Mool Chand	Lachman Dass	Dhaka Basti		tractor was actually
	Ram Asra	Lachman Dass	-do-		purchased by them. This information in
	Pohala Ram	Udha Ram	Bhadon Pati		respect of the last
	Singha Ram	Sant Ram	Behalpur		mentioned (Sr. No. 22) case is not
	Ram Singh	Kalu Ram	Dhaka Bast!		readily available.
	Hans Raj	Kharaiti Lal	-do-		
	Mam Chand	Mehar Chand	-do-		
	Tara Chand	Amar Nath	-do-		

	Daulat Ram	Devi Chand	Bhadon Pati		
	Pyare Lal	Chanda Ram	Dhaka Basti		
	Hari Ram	Sant Ram	-do-		
	Asha Ram	Mehar Chand	Bhadon Pati		
	Siri Ram	Kalu Ram	Hissar		
	Dassa	Nand Lal	-do-		
	Jogi Ram	Bhagwan **a**	-do-		
	Darshan	Suraj Bhan	-do-		
	Sheo Ram	Kesha Ram	Thakar Basti		
	Khajan Singh	Mcgha Ram	-do-		
	Amin Lal	Maru Ram	Fatehabad		
	Bhagi Ram	Maru Ram	-do-		
	Parbhati Ram	Chuni Ram	Fatehabad		
	Phool Chand	Maru Ram	-do-		
	Dhana Ram	Megha Ram	-do-		
	Pokhar Ram	Maru Ram	-do-		
	Mangtu	Mehga Ram	-do-		

	Duni Chand	Ghasi Ram	-do-		
	Ladhu Ram	Ram u Ram	Bhodian Khera		
	Sheo Chand	Deva Ram	-do-		
	Ram Kumar	Kheta Ram	Chinder Teh.		Has been shown to
	Kansi Ram	Rati Ram	Fathehabad		be cultivating 17½ Acres on Batai
			-do-		Has been shown to be cultivating 6 acres as self owned land.
	Brij Lal	Dewana Ram	Bhodian Khera		Has been shown to be cultivating
					8 Acres on Batai.
	Jai Mal	Mam Raj	-do-		Has been shown to be cultivating
					7 acres on Batai.
	Mansa Ram	Basti Ram	Bhodian Teh.		Has becn shown to cultivating 2 Acres
	Mehar Chand	Nand Ram	Fatehabad		on Batai.

					Has been shown to be cultivating 4 acres on Batia.
	Pat Ram	Ram Dayal	Shekhpura		
	Inder	Sukher Chand	-do-		

चौधरी राम लाल वधवा : स्पीकर साहब, मैंने कल एक एडजर्नमैंट मोशन दिया था, मोहसन साहब की स्टेटमैंट के बारे में

Mr. Speaker : You must have received the reply.

चौधरी राम लाल वधवा : मेरी एक सबमिशन है । अभी मुझे कागज मिला है कि मेरा वह एडजर्नमैंट मोशन तो डिस–अलाउ हो गया है । उसके साथ ही मैंने एक काल अटैन्शन नोटिस दे दिया था, अगर सरकार इस पर बहस ठीक नही समझती तो कम से कम काल अटैन्शन नोटिस के जवाब में स्थिति तो स्पष्ट कर दे ।

Mr. Speaker : The reply to the Call Attention Motion has also been sent.

चौधरी राम लाल वधवा : स्पीकर साहब, मेरी रिक्वैस्ट यह है कि यह एक ऐसा सीरियस मामला है कि इसमें सारे हरियाणा के लोगों के जजबात का सवाल है । इसलिए कम से कम सदन को तो इस तारे में विश्वास में लिया जाना चाहिए ।

श्री अध्यक्ष : अगर और कुछ डिस्कस करना चाहें तो मेरे चौम्बर में डिस्कस कर लें ।

चौधरी चांद राम : कल भी आपने कहा था कि जो दूसरी मोशन है उसको एग्जामिन कर लेगे । कोई मौका तो ऐसा हो जिस पर गवर्नमैंट यह जाहिर करे कि हम गवर्नमैंट आफ इंडिया से अबोहर फाजिल्का लेने के लिए यह कदम उठा रहे हैं क्योकि अबोहर फाजिल्का वाले इल्जाम लगा रह है कि हमारे साथ सलूक अच्छा नहीं होता । इसलिए हमें हरियाणा के साथ मिलाया जाए । यह चीज सारे हरियाणा से ताल्लुक रखती है, किसी पार्टी का सवाल नहीं है ।

Mr. Speaker : I have examined all the motions in their context and decided accordingly.

चौधरी चांद रामः वह तो ठीक है, लेकिन– गवर्नमैट को यह प्रेरणा कर ही सकते है कि यह अपना स्टैण्ड क्लीयर करें ।

Mr. Speaker : No further discussion please.

चौधरी राम लाल वधवाः ठीक है जी फिर । अगर सरकार जवाव नही देना चाहती तो इनकी मर्जी ।

कार्य मंत्रणा समिति का द्वितीय प्रतिवेदन

Mr. Speaker : I have to report the time table fixed by the Business Advi;ory Committee in regard to various business :—

The Committee, after some discussion, recommended that the Business on the 12th and 15th July, 1974, be transacted as follows :-

12th July, 1974

I. Questions Hour.

II. Second Report of the Business Advisory Committee.

III. Legislative Business

1. The Haryana Appropriation (No.3) Bill, 1974, in respect of the Supplementary Estimates (Ist Instalment) 1974-75.

2. The Haryana Appropriation (No. 4) Bill, 1974, in respect of the Excess Demands over Grants for the year 196-69.

3. The Haryana Industrial Estates (Development and Regulation) Bill, 1974.

4. The Haryana Anatomy Bill, 1974.

5. The Haryana Corneal Grafting Bill, 1974. 15th July, 1974

I. Questiors Hour.

II. Legislative Business

The Haryana Prohibition of Smoking in Cinema and Theatre Halls Bill, 1974.

2. The Haryana Public Service Commission (Additional Functions) Bill, 1974.

3. The Societies Registration (Haryana Amendment) Bill, 1974." Home Minister (Shri K. L. Poswal) : Sir I beg to move—

That this House agrees with the recommendations contained in the Second Report of the Business Advisory Committee.

Mr. Speaker : Motion moved—

That this House agrees with the recommendations contained in the Second Report of the Business Advisory Committee.

Mr. Speaker : Question is—

That this House agrees with the recommendations contained in the Second Report of the Business Advisory Committee.

The motion was carried.

दी हरियाणा एप्रोप्रिएशन (नं० 3) बिल, 1974

Finance Minister (Shri Ram Saran Chand Mital) : Sir, I beg to introduce the Haryana Approptiation (No. 3) Bill, 1974.

Sir, I also beg to move—

That the Haryana Appropriation (No. 3) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the Haryana Appropriation (No. 3) Bill be taken into consideration at once.

चौधरी राम लाल वधवा (करनाल) : स्पीकर साहब, दी हरियाणा एप्रोप्रिएशन नम्बर 3, बिल, 1 974 सदन के सम्मुख प्रस्तुत है । वैसे तो सप्लीमैंट्री ऐस्टीमेट्स के ऊपर काफी बहस हो चुकी है, लेकिन यह रुपया जिसकी सरकार खर्च करने के लिए मन्जूरी माग रही है, मैं इस पर अपने विचार रखना चाहता हूं । उस समय मुझे कुछ कम समय मिला था, इस वजह से मैं उन डिमान्डज के बारे में कुछ कह नही पाया था, लेकिन अब जो इस एप्रोप्रिएशन बिल की शक्ल में उस रुपए की मन्जूरी सरकार मांग रही है, मैं इस विषय में कुछ कहना चाहूंगा । जो सप्लीमैंट्री डिमांडज थी, उनके अन्दर जो डिमांड नम्बर 10 थी, वह सिवरेज स्कीम के मुताल्लिक थी और उसके लिए और रूपया माना गया था। मैं उस विषय में आपके द्वारा मिनिस्टर साहब से यह कहना चाहता हूं कि जब से नगर– पालिकाएं भंग हुई हैं, तब से जितना काम सीवरेज का होना चाहिए था उतना काम शहरों में हुआ नही है । मैं करनाल के बारे में यह बताना चाहूंगा कि वहा पर जितना सीवरेज का काम किया जा रहा है या अब तक हुआ है, वह केवल माल रोड़ पर या ऐसी–ऐसी जगहों पर हुआ है, जहां पाच–पांच, छः–छरू या दस–दस कोठिया है । इन कोठियों तक ही सिवरेज

की एक लाईन ले जाने के लिए तीन या चार लाख रुपया खर्च हुआ है । अगर उस लाईन को शहर को आबादी वाले एरिया में जो कन्जैस्टड एरिया है, तक ले जाते तो जो गन्दगी है, वह दूर होती और ज्यादा फलश लैट्रीन्ज लगने से ज्यादा सफाई होती । वहां छोटी–छोटी नालियां हैं और वह सारी की सारी शहर के अन्दर हैं, उनकी सफाई के लिए यद्यपि कुछ रूपया खर्च हुआ है, मगर ज्यादा बेहतर होता यदि इस एरिए को प्रोयरिटी दी जाती और यहां सीवरेज लाईन डाली जाती । हमारे सामने जो नया म्युनिसिपल एक्ट आया था, उसके तहत म्युनिसिपल कमेटियों को भंग कर दिया गया और आज कमेटियों को भंग किए हुए एक साल हो गया है, लेकिन वहां की हालत क्या है? वहा पर सरकार पूर्ण रूप से ऐड– मिनिस्टर भी नही लगा पाई है । इसका नतीजा यह हुआ है कि वहां पर एस०डी०एम० या तहसीलदार साहब जो बैठे हुए है, उनको ही कमेटियों का पार्ट टाईम एडमिनिस्टेरटर लगा दिया गया है । इससे यह जाहिर होता है कि ऐसी म्युनिसिपल कमेटियां जिनको सरकार कई बार भंग करती रही, वे हाई कोर्ट से री–डंस्टेट होकर आती रही और सरकार वहां के अपोजीशन के लोगों को उन नगरपालिकाओं से हटा नही सकी, इसके लिए इस दफा म्यु– निसिपल एक्ट के अन्दर यह ले आए कि कमेटी में तीन साल के लिए तो इलैक्टिड मैंबर रहेंगे और तीन साल तक वहां चुनाव न होकर एडमिनिस्टेरटर लगाया जाया करेगा । स्पीकर साहब, ऐसा करना जम्हूरियत के साथ एक बहुत बड़ा मजाक है । आज संविधान के अन्दर फंडामैंटल राईट्स की बजाए

आज भारत सरकार डाय.रैक्टिव प्रिसिपल्ज को ज्यादा महत्व दे रही है । सुप्रीम कोर्ट के अन्दर कई मसले डायरैक्टिव प्रिसिंपलज के बारे गार और उनके लिए कहा गया कि इनका फंडामैंटल राईट्स से ज्यादा महत्व है । आज लोकल बाडीज में टैम्पोरेरी एडमिनिस्टेरटर्ज लगाकर काम मे विकास नही हो रहा । लोकतन्त्र की इस तरीके से हत्या की जा रही है । आज म्युनिसिपल कमेटीज तोड़ी जा रही है, जिला परिषद् तोड रहे हैं, मार्कीट कमेटिया तोड रहे है और उन–कें अन्दर नामीनेशन कर रहे हैं और नोटीफाईड एरिया कमेटीज तोड़ रहे हैं यानि लोकतन्त्र की सही मायनो में जो प्रतीक, लोकतन्त्र की शिक्षा देने वाली हैं, लोगो की छोटी–मोटो समस्याएं जो होती हैं, उनको हल करने वाली जो ये बाडीक हैं, उनकी कठिनाईयों को दूर करने वाले जो अदारे हैं आज सरकार उनको पूर्ण रूप में अपने हाथ में रखकर डिक्टेटरशिप कायम करने जा रही है । स्पीकर साहब, मेरे कहने का मतलब यह है कि जब नगरपालिकाए ये तोड़ रहे हैं तो उनका ठीक ढंग से काम.

श्री अध्यक्ष : यह एप्रोप्रिएशन बिल है इसलिए आप इसी पर बोलें । म्युनिसिपल कमेटीज की बात इसमें कहां से आ गई?

चौधरी राम लाल वधवाः नगरपालिकाओ के लिए इसमें रुपए का प्रोविजन है और मैं उनके काम के बारे में बता रहा हूं ।

मुख्य मन्त्री (चौधरी बंसी लाल) : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, स्पीकर साहब, ये म्युनिसिपल कमेटीज का जिक्र कर रहे हैं कि उनको तोड़ा गया है और टैम्पोरेरी ऐडमिनिस्– ट्रेटर लगा रहे हैं । स्पीकर साहब, करनाल म्युनिसिपल कमेटी की बाबत मैं बताऊं कि इनका करनाल म्युनिसिपल कमेटी पर कब्जा था और जब से यह सुपरसीड हुई है औररू वहां ऐड– मिनिस्ट्रेटर लगाया है जिसके लिरा यह कह रहे हैं टैम्पोरेरी ऐडमिनिस्टेरटर लग रहे हैं, उसी की वजह से 25/3० लाख रुपए साल की इन्कम बड़ी. है । पहले यह उसको खा जाया करते थे ।. (व्यवधान).

Mr. Speaker : It will be better if you confine yourself to policy matters.

चौधरी राम लाल वधवा : स्पीकर साहब, जैसा कि मुख्य नली फरमा रहे थे करनाल के बारे में कि करनाल म्युनिसिपल कमेटी ने उतना काम नही किया जितना कि अब हो रहा छउ, यह गलत हए । खाने की बात की गई । खाया तो अब जा रहा है ।

Mr. Speaker : No specific Municipality can be discussed here.

चौधरी राम लाल वधवा : स्पीकर साहब, इसमें रोडज के बारे में आया है, मैडीकल और पब्लिक हैल्थ की डिमांड है और चीफ मिनिस्टर साहब ने करनाल म्युनिसिपल कमेटी का जिक्र कर दिया है

Mr. Speaker : Please see rule 225, sub rule (4),

which reads-

"4 The debate on an appropriation Bill shall be restricted to matters o public importance or administrative policy implied in the grants covered by the Bill which have not already been raised while the relevant demands for grants were under consideration ...."

चौधरी राम लाल वधवा : स्पीकर साहब, जो आपने पढ़ा है, मैं उसके मुताबिक ही बोल रहा हूं । करनाल के अन्दर सड्कों की आज क्या हालत है, उसी के बारे में बताना चाहता हूं । सरकार ने जी० टी० रोड़ पर जहां मिनिस्टरों की कारें गुजरती है, वही काम किया है, नगर के अन्दर काम नहीं किया है । शहर के अन्दर डिप्टी कमिश्नर की कोठी से लेकर ऐडमिनिस्ट्रेटर की कोठी तक ही काम हुआ है । करनाल म्युनिसिपल कमेटी ने जो कुछ काम किया था, अब देखा जात् कि एक साल के अन्दर अब उसकी क्या हालत हो गई है । चीफ मिनिस्टर साहब कहते है कि वहां बहुत काम किया गया है । अगर सरकार वहां एक इनक्वायरी कमेटी बिठा दे, यह देखने के लिए कि किस के समय में काम ज्यादा हुआ है और कौन खा गया है

Chaudhri Bansi Lal : The Hon. Member is again referring to **the** Municipal Committee, Karnal from which they have derived so many types of benefits. Now he is angry because that income has been taken away by the Government to public exchequer;

Mr. Speaker : I have already ruled that the Hon.

Member can discuss matters of public policy and not individual cases. (Interruptions) You can discuss matters of all Municipal Committees collectively and not individually.

चौधरी राम लाल वधवा : स्पीकर साहब, डिपार्टमैंट की जो अन्डरलाईंग पालिसी है, वही तो डिस्कस कर रहा हूं ।

वित्त मन्त्री (श्री राम सरन चन्द मित्तल) : स्पीकर साहब, अगर डिमाड नम्बर 10 को पूरी तरह पढ़ते हैं तो इसमें कोई ऐडीशनल ऐक्सपैंडीचर नही है । इसमें क्लासि– फिकेशन चेंज हो जाने की वजह से एक आईटम से दूसरे आईटम में पैसा लाया गया है । लैजिस्लेचर से कोई नया रुपया नही लिया जा रहा है । इसमें लिखा है–

"Since it is a revenue expenditure, it is now propsed to make the provision under the revenue major head "282-Public Health, Sanitation and Water-supply" with a view to correcting the classification. Hence the Supplementary Demand.

The provision made for these grants under the Capital Major Head "482-Capital Outlay on Public Health, Sanitation and Water-Supply" will not be utilised and as such there will be no additional burden on the State Exchequer on acccunt to the change in the classification, ..."

चौधरी बंसी लाल : करनाल कमेटी को पांच–चार साल तक लूट कर खा गए अब वह टूट गई तो दुःख हो रहा है ।

Mr. Speaker : There is no question of personal

explanation . (Interruptions). ... Please continue.

चौधरी राम लाल वधवा : इतने साल तक रहा अगर लूट कर खाया होता तो सरकार छोड़ती नही । (हंसी) मैं चार साल तक रहा अगर खाया होता तो सरकार बखशती नही । स्पीकर साहब, ये पर्सनल इल्जाम लगा रहे है कि लूट कर जा गए इसके बारे में मैं पर्सनल ऐक्सप्लेनेशन देना चाहता हूं । खाते स्वयं हैं, कहते दूसरों को है ।

Chaudhri Bansi Lal : On a point of order, Sir. This thing was discussed at length a day back on the Demands' day. Can it be repeated again and again ? Can there be repetition of all those things ?

Mr. Speaker : No repetition of arguments already advanced .

चौधरी राम लाल वधवा : स्पीकर साहब, इसमें 14 नम्बर डिमांड के अन्दर यूक करोड़ 3 लाख 67 हजार रुपए इसैटिव टू फार्मर्ज अन्डर व्हीट प्रोक्योरमैट स्कीम के तहत मांगा गया है । मुझे हैरानी होती है कि सारा साल गुजर गया लेकिन सरकार ने उसका प्रयोग नही किया ।

चौधरी राम लाल वधवा: आज ऐसा लगता है कि चीफ मिनिस्टर साहब, हाउस को जल्दी खत्म कसने के मूड में हैं (हसी) ।

चौधरी बंसी लाल : स्पीकर साहब, आपकी इनफर्मेशन के लिए एक खबर दूं कि कि जब यह साहब म्युनिसिपल कमेटी में थे तो करनाल म्युनिसिपल कमेटी की आमदनी 45 लाख रुपए साल की थी और आज करनाल म्युनिसिपल कमेटी की आमदनी 85 लाख रुपए सालाना है । इनको ..... आनी चाहिए ।

चौधरी राम लाल वधवा : स्पीकर साहब, यह जो लफ्ज है, यह अनपार्लियामैंट्री है, यह ऐक्सपंज होना चाहिए ।

Mr. Speaker : We should speak in good taste .... (Interruptions)

चौधरी राम लाल वधवा : स्पीकर साहब, मैं तो अब दूसरे आईटम पर जा रहा हूं । लफ्ज को तो ऐक्सपंज करा दीजिए ।

Mr. Speaker : You should not discuss individual cases. (Noise and Interruption) No discussion of individual cases and no repetition of the arguments already advanced, please.

सिंचाई तथा बिजली मन्त्री (श्री बनारसी दास गुप्त) : यह तो आप रोज इस्तेमाल करते हैं । आप कहते हैं कि इनको ऐं? कं आनी चाहिए ।

चौधरी बंसी लाल : हम तो बड़ी साफ बात कहते हैं । करनाल म्युनिसिपल कमेटी की इनकम 45 लाख से 85 लाख हो गई यह कैसे हो गई (व्यवधान)

चौधरी राम लाल वधवा: तो स्पीकर साहब, यह समझा जाए कि ऐं' शब्द पार्लियामैंट्री है, तब ठीक है । तो स्पीकर साहब, मेरा कहना का भाव तो केवल इतना ही था कि यह जो खाद के भाव आगे से डबल हो गए है, उसको ध्यान में रखते हुए सरकार को यह चाहिए कि वे किसानों को सस्ते भाव पर खाद दें । इसके बाद मैं इंडस्ट्रीज के बारे में कुछ कहना चाहता हूं, डिमांड नम्बर 10 इससे सम्बन्धित है । इस बारे में मेरा केवलइतना ही कहना है कि सरकार ने बहुत सुविधाएं इंडस्ट्रीज डिपार्टमैंट को दे रखी हैं । लोगों को कर्जा देते हैं, रॉ–मैटीरियल सप्लाई करने के लिए कार्पोरेशन्ज बना रखी हैं, सेल्ज टैक्स के अन्डर लोन देते हैं, इस प्रकार और बहुत सी बातें हैं, लेकिन सबसे बड़ी इस डिपार्ट– मैट की बात जो है जिस पर विचार किया करते हैं कि उद्योग को बढ़ावा मिलना चाहिए, इसके साथ–साथ उन्हें यह भी तो देखना चाहिए कि जिस विकास के लिए लोगों को कर्जा रॉ–मैटीरियल या अन्य सुविधाएं सरकार की तरफ से दी जाती हैं, क्या उनका सदुपयोग भी हो रहा है कि नहीं, जो विकास होना चाहिए, क्या वह हो रहा है कि नही, लेकिन इंडस्ट्रीज डिपार्टमैंट का इस तरफ कोई ध्यान नही है, वह उसी पुराने ढर्रे पर ही चल रहा है । अगर पुराने सारे केसिज निकाल कर आप देखें तो आपको इसके बारे सब कुछ पता चल जाएगा । अगर किसी को एक या दो साल पहले सरकार की तरफ से कुछ दिया गया है, उसका कुछ पता ही नही चलेगा अगर प्लाट दें तो बाद में उस भूमि पर प्लाट ही नही मिलेगा, तो इसके लिए सरकार को इस इंडस्ट्रीज डिपार्टमैंट को

परा ढंग में बदलना चाहिए । जैसे कल मुख्य मंत्री महोदय ने ऐग्रीकल्चर के बारे में एक कमेटी बनाई थी, तो उसी सिलसिले में मैं आपके द्वारा मु हय मली महोदय व मन्त्री महोदय से अपील करूंगा कि हरियाणा सरकार इस इडस्ट्रीज के बारे मैं जो कि ऐग्रीकल्चर के साथ हरियाणा के विकास के लिए बहुत जरूरी है एक कमेटी बनाए जो कि इस सारे डिपार्टमैंट के काम को ऐग्जामिन– करे और ईस प्रकार के साधन, तौर तरीके और सुझाव दे जिससे कि इंडस्ट्रीज पनप सकती हों, और सरकार ने जो सुविधाएं दी हैं, उनका ठीक उपयोग हो और जल्दी परिणाम हमारे सामने आ सकें, हम यह चाहते है । केवल यहां पर भाषण दे देने से, खाली नोटिफिकेशन कर देने से स्पीकर साहब यह काम होने वाला नही है ।

इसके साथ–साथ स्पीकर साहब, मैं आगे डिमांड नम्बर, 25 आईटम नंबर 2 पेज 19 पर, जो कि हरियाणा टूरिजम के बारे में है, उसके बारे में मैं कहना चाहूंगा । स्पीकर साहब, आज–पल संकट के जमाने में, जबकि आर्थिक उन्नति के लिए, विकास के कामों के लिए, हमारे पास पैसे की कमी है, जब सड्कों के बारे में पूछा जाता है तो कहते हैं रुपया नही है, दूसरी' और बातों के लिए कहा जाता है तो एक ही बात कही जाती है कि हमारे पास रुपया नही, चाहे शिक्षा का हो, चाहे ऐग्रीकल्चर का हो, चाहे सड्कों का हो, तो ऐसी हालत में टूरिजम पर यूंही रुपया बर्बाद करना स्पीकर साहब, जबकि हमारे देश के ऊपर आर्थिक संकट है,

उचित बात प्रतीत नही होती । स्पीकर साहब, एक गरीब आदमी को इन स्थानों पर जाने की उस वक्त फुरसत मिल सकती कूँ, जब उस बेचारे के पेट में रोटी पहुंच जाए । जो स्पाट्स हैं, सिवाए इसके कि मत्रियों की कारें, बड़े–बडे उद्योगपतियों की कारें वहां से गुजरती हैं, और कोई गरीब आदमी वहीं जा ही नहीं सकता । ऐसी जगहों पर तो अमीर आदमी ही जा सकते है, गरीबों के लिए वहा पर कोई जगह ––ही है । स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा सरकार को एक छोटा सा सुझाव देना चाहता हूं कि सरकार इस बात पर जरूर गौर करे कि जहा पर कोई लेक्स या कोई और लोगों की सैर के लिए दूसरे स्पाट्स हों, वहां उनके साथ–साथ गरीब आदमियों के लिए भी छोटे–छोटे हटस बनाए जाएं, ताकि गरीब आदमी भी, जब उसको फुर्सत भि–लें, वह भी वहा जाकर रह सके । स्पीकर साहब, वहां पर रोज के कम–रों का किराया इतना ज्यादा है कोई लगभग 35 और 55 रुपए, जिन में कि सिवाए अमीर आदमियों के और कोई आदमी नही रह सकता, दो, तीन, चार, सौ की तो बात ही छोड़िए, 1000 हजार रुपए कमाने वाला आदमी भी इतने पैसे रोज के देकर नही रह सकता । इसलिए मेरा सुझाव है कि वहाँ पर उनके साथ–साथ छोटे–छोटे से हट्स गरीब आदमियों के –रहने के लिए अवश्य बनाए जाएं, जिससे कि थोड़ी. आमदनी वाले लोग वहां जा सकें और जहां इट्स हो, वहां पर लोग 5 रुपए योमिया पर रह सकें । इस के साथ–साथ स्पीकर साहब, जहा पर बडे–बड़े रैस्टोरां हैं, वहां पर भी बूयस भी बनाए जाएं, जहां पर कि आम लोगों को सस्ती चीजें

मिल सकें । स्पींकर साहब, अगर वहां पर चाय वगैरह पीए तो उसके साथ जरूर कुछ न कुछ खाना पड़ता है, पर यह साधारण आदमी के लिए बड़ा मुश्किल है । वहां पर सस्ती चीजों के लिए बूथं बनने चाहिएं । तब तो उसका लाभ हो सकता है जबकि एक आदमी. के लिए कोई इस तरी–कें की राहत मिल सके । वैसे तो हमारे देश के अन्दर बड़े–बड़े मेले लगते हैं, जैसा वैसाखी का मेला होता है, वहां हजारों लोग जाते है । स्पाट्स पर भी. लोग इकंट्ठे होकर बैठते हैं, तो मैं समझता हूं कि वहां इसके साथ लोगों के बैठने के लिए विस्तृत पार्कस भी अवश्य होने चाहिएं ।

Chaudhri Bansi Lal : On a point of order, Sir. He is repeating whatever he has said from the beginning to this time. He is repeating time and again the same thing.

Mr. Speaker : I have said 'no repetition',

चौधरी राम लाल वधवा : स्पीकर साहब, यह तो पालिसी मैटर है । कार्पोरेशन पर अगर आप कहते हैं कि मैं नही बोल सकता तो मैं बैठ जाता हूं सरकार मुझे लिख कर भाषण दे दिया करे तो मैं सदन को पढ़कर सुना दिया करुगा –– (विध्न) ––यह इतने घबरा क्यों रहे है?

Mr. Speaker : You are discussing details.

चौधरी बंसी लाल : स्पीकर साहब, यह तो यह चाहता है कि करनाल की लेक पर इसको मुफ्त रोटी मिल जाया करे । (हंसी)

चौधरी राम लाल वधवा : मुक्त रोटी तो मंत्रियों को मिलती है– (हसी) – । इसके बाद स्पीकर साहब, मैं अब ट्रासपोर्ट के बारे में कुछ कहना चाहूंगा । (शोर)

Mr. Speaker : Please try to wind up and speak within scope... (Interruption). There are five Bills and time at our disposal is two hours and ten minutes only. Now, there will be a time limit of ten minutes for every hon'ble member to speak.

चौधरी राम लाल वधवा : स्पीकर साहब, मैं ज्यादा टाईम नही लूंगा । घड़ी के मुताबिक केवल 2 मिनट ही लुंगा । जहा तक ट्रांसपोर्ट का सवाल है, उसके बारे में ये तस्लीम कर चुके हैं, कि बसों में ओवरलोडिग होती है जिसकी वजह से लोगों को बड़ी दिक्कत होती है, मैं आपके द्वारा सरकार को इस बारे में एक सुझाव देना चाहता हूं कि बसों के सुधार के लिए यह पालिसी बनाई जाए (विध्न)

श्री अमर सिंह : स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है, कि अपोजीशन में जन– संघ के दो मैंबर हैं, विशाल हरियाणा के 3 मैंबर हैं और दूसरी अलग–अलग पार्टियों के भी मैंबर हैं । आप ऐसे करें कि पार्टी के हिसाब से आप टाईम बांट दें कि इतना–इतना टाईम हर पार्टी को दिया जाएगा, फिर उस टाईम में चाहे उस पार्टी का एक आदमी बोले, चाहे दो बोले । ऐसा न हो कि एक ही पार्टी के आदमी ज्यादा टाईम ले जाए, दूसरी पार्टियों के आदमियों को बोलने का टाईम ही न मिले ।

चौधरी बंसी लालः स्पीकर साहब, टाईम मैंबरों के हिसाब से दिया जाए न कि पार्टी के हिसाब से । यह नहीं होना चाहिए कि एक ही आदमी खड़ा हुआ वही बोलता रहे और किसी को टाईम न मिले । He has taken enough time and he should not be allowed to waste time of the House.....

Mr. Speaker : I have fixed a time-limit of ten minutes for every member.

चौधरी बंसी लाल : स्पीकर साहब, मेरी एक रिक्वैस्ट है किं पार्लियामैंट में भी ऐसी प्रैक्टिस है कि पार्टीज का मैंबरशिप के हिसाब से टाईम फिक्स कर दिया जाता है, उतनी देर में चाहे एक पार्टी का एक मैंबर बोले, चाहें 10 मैम्बर बोलें । That practice should be adopted here. One Member should not waste time of the Hon. House.

Mr. Speaker : If the House agrees, I have no objection.

Chaudhri Bansi Lal : As Leader of the House I submit that the House agrees to it.

Mr. Speaker : If the House agrees, I will allot time according to the strength of each party in the House.

चौधरी बंसी लाल : स्पीकर साहब, इनको वाईड–अप करने के लिए कहते–कहते तो आपको बहुत देर हो गई है इसलिए he should be asked to resume his seat.

Mr. Speaker : I have already asked him.

चौधरी राम लाल वधवा : मैं बन्द हो कर देता हूं आप नाराज क्यों हो रहे हैं । इससे तो न बोलना ही अच्छा है इन्ट्रप्शन्ज में बोलने का कोई लाभ नही है ।

श्री के० एन० गुलाटी (फरीदाबाद) : आनरेबल स्पीकर साहब, मैं 5 मिनट से ज्यादा नही लूंगा । जो बिल हमारे सामने है इसमें तीन नम्बर डिमांड के बारे में कुछ कहना चाहता हूं । मैं मानता हूं कि पुलिस ठीक काम कर रही है । लेकिन जैसे चीफ मिनिस्टर साहब ने कहा कि जहां हम थोड़ी बहुत गल्तियां देखें तो वे सुझाव के रूप में बताई जा सकती हैं । तो में एक वाक्या बताता हूं जो सुनने के काबिल कूँ । पिछले दिनों फरीदाबाद के एक गुंडे ने वहां की एक लड़की पर हाथ डाला और

Mr. Speaker This is a discussion on the appropriation of funds and not the details of every demand.

श्री के० एन० गुलाटी: स्पीकर साहब, मैं सुझाव के रूप में एक दो बातें अर्ज करना चाहता हूं । जैसे कई बार लेबर एजीटेशन्ज हो जाती हैं और फिर कुछ दिन बाद उनको कह दिया जाता है कि आप हड़ताल वापिस ले लो आपकी फलां–फलां मांगें मान ली जाएगी और जो केस पुलिस को दिए हुए है, वे वापिस ले लिए जाएंगे । लेबर उनकी बातों में आ जाती है लेकिन होता क्या है कि बाद में वे केस विद्ड्रा नही किए जाते । तो मैं अर्ज करूंगा कि वे केस विद्ड्रा होने चाहिएं । इसके अलावा मैं कहना चाहता हूं कि चौकियों पर जितने भी केस जाते है, तो कई दफा उनकी

एप्लीकेशन मांग ली जाती हैं तो गुंडे यह समझ लेते हें कि एप्लीकेशन मांग ली गई है और

श्री राम सरन चन्द मित्तल : स्पीकर साहब, यह जो बोल रहे हैं, यह डिमाड नम्बर तीन में नहीं है इसलिए यह लेबर वाली बात कहां तक रैलेवैन्ट है?

Mr. Speaker : Order please. I have already ruled that the hon. Member must speak within the scope of the Bill.

श्री के ० एन ० गुलाटी : तो स्पीकर साहब, इसके बाद मैं डिमांड नम्बर 10 पर आता हूं । मैं चीफ मिनिस्टर साहब का मशकूर हूं कि उन्होंने पानी के बारे में फरीदाबाद में काफी सुधार किया लेकिन सैनीटेशन के मुतल्लिक अभी भी मैं कुछ शिकायत करना चाहता हूं, अभी भी मुझे गिला है । आप कहेंगे कि मच्छरों की बात फिर कर दी । मैं आपको यकीन के साथ कहता हूं कि फरीदाबाद में पहले से भी ज्यादा मच्छर हो गए हैं । पिछले दिनों बाबूगुलाब सिंह जैन जी वहां गए थे आप इनसे पड़ताल कर सकते हैं

श्री अध्यक्ष : आर्डर प्लीक, मच्छरों का यहां कोई सवाल नही है ।

श्री के एन गुलाटी : स्पीकर साहब, मैं सैनीटेशन के बारे में कह रहा हूं कि वह मैंबर साहब इस बात के आई विटनैस हैं आप उनसे पूछ सकते है । मेरा निवेदन है कि वहां पर इन

शिकायतों को दूर करने के लिए प्रौपरली खर्च किया जाए और हमारे चीफ मिनिस्टर साहब ने कहाभीथा कि दों–तीन साल मेफरीदाबाद अच्छा शहर बन जएगा ।

स्पीकर साहब, इसके बाद मैं डिमाड नम्बर 13 पर बोलना चाहता हूं जो सोशल वैलफेयर डिपार्टमैंट से ताल्लुक रखती है । यह डिपार्टमैंट कुछ ग्रांट्स भो देता है । ये जो ग्रांट्स दी जाती हैं ये मिस यूज होती हैं । अभी पीछे तीन तारीख को एक टूक स्टूडैन्टस का भरकर...

Mr. Speaker : Order please. No individual case, please. I have repeatedly said that. The hon. Member may discuss the policy matters, but should not discuss individual cases.

श्री के० एन गुलाटी : स्पीकर साहब, यह तो एड और ग्रांट की मिसयूक के बारे में है । चलो मैं अगली डिमांड नम्बर 14 के बारे में कुछ कह देता हूं जो कि फूड एण्ड सप्लाई से सम्बन्धित है । इसके बारे में मैं अर्ज करूंगा कि हमारे फरीदाबाद टाउन में गेहूं दूसरी जगहों से दस रुपए मन मंहगा मिलता हे । बल्लभगढू वहां से दो मील है, वहां और फरीदाबाद टाउनशिप में दस रुपए मन का अन्तर है तो इसके बारे में भी सरकार से मेरा निवेदन है कि इस ओर ध्यान दें ।

श्री श्याम चन्द : स्पीकर साहब, यह डिमांड तो बोनस के बारे में हद ।

श्री के० एन० गुलाटी : डिमांड नम्बर 16 इंडस्टरी के बारे में है । हमारी इंडस्टरीज को बिजली कम मिलने की वजह से प्रोडक्शन कम हो रही है, इसलिए सरकार से दरखास्त है कि इस ओर भो ध्यान दे । इसके बाद मैं डिमांड नम्बर 23 पर अर्ज करूंगा जोकि ट्रांस– पोर्ट के बारे में है । मैं चाहता हूं कि फरीदाबाद से गुड़गांव और फरीदाबाद से दिल्ली और फरीदाबाद से चण्डीगढ के लिए सीधी बसों की संख्या बढ़ाई जाए और वहां पर लोकल बसों का भी और इन्तजाम किया जाए । हमारे फरीदाबाद की आज 5 लाख आबादी है. इसलिए मैं मन्त्री महोदय से अर्ज करूंगा वे इस मामले ये भी वहां का ख्याल रखे । स्पीकर साहब, मैं आपका ज्यादा समय न लेते हुए आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया ।

श्री गिरीश चन्द जोशी (यमुनानगर) : अध्यक्ष महोदय, मैं बोलना तो नही चाहता, था, लेकिन कुछ बातें ऐसी कही गई है कि बोलना पड़ा । सब से पहले मैं डिमांड नम्बर 10 पर बोलना चाहता हू जो मैडीकल और पब्लिक हैल्थ के बारे में है । पब्लिक हैल्थ डिपार्ट– मैट जो है, वह म्युनिसिपल कमेटियों का काम, जैसे सैनीटेशन और वाटर सप्लाई है, उनसे पैसे लेकर करता है और म्युनिसिपल कमेटिया अपने फंड टैक्सों से हासिल करती हैं । अभी कहा गया है कि जिस म्युनिसिपल कमेटी में एडमिनिस्ट्रेटर हैं, वहां पर अच्छा काम नहीं होता । इसके बारे में मुझे साफ कहना पड़ेगा, क्योंकि मुझे यमुनानगर का तजुर्बा है । जगाधरी में हमारी

म्युनिसिपल कमेटी के टैक्सों का बड़ा एरियर पड़ा था । वहां पर जब से एडमिनिस्ट्रेटर आया है, काफी माला में लोगों से हाउस टैक्स और दूसरे टैक्सों का एरियर रिकवर किया गया है और वहां की कमेटी मुकम्मल तौर पर लोगों के लिए काम कर रही हे । इसी तरह से सीवरेज स्कीम के बारे में है । आज हरियाणा के आम शहरों में सीवरेज का काम बड़ी तेजी से चल रहा है । अगर इसमें कही दिक्कत है तो वहां है जहां कही ईंटों वाली जमीन आ जाती है । बाकी काम करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाती । मेरे मित ने ऐसा कह कर सदन को गुमराह किया कि जब से एडमिनिस्टेरटर लगे हैं आधा काम भी नहीं हो रहा है । मैं कहता हूं कि जब से ये लगे हैं, काम बड़े अच्छे तरीके से हो रहे हैं, क्योंकि एडमिनिस्ट्रेटर पार्टी पोलिटिक्स में नहीं पड़ता । जहां वह जरूरत समझता है, काम करवासकता है । वरना क्या होता हैकिपार्टी वाला जहां चाहता है वहां काम करवा देता है और आम काम की तरफ कोई ध्यान नही दिया जाता । आज एडमिनिस्ट्रेटर आम काम करवाता है उसके सामने किसी पार्टी का ताल्लुक नहीं है । पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट जो इस समय काम कर रहा है चाहे वह सैनीटेशन का चाहे वाटर सप्लाई का, वह सही है । इसके बाद मैं फूड एंड सप्लाईज पर आता हूं चूंकि इसमें खुली चीज है इसलिए मैं इस पर ज्यादा वला जाया नही करना चाहता हूं अतः मैं डिमांड नम्बर 24 और 25 पर आता हूं जोकि टूरिजम के बारे में है । आप देखें कि हमारे हरियाणा प्रदेश में विकास का चहुमुखी काम हुआ हर तरीके से काम हुआ जैसे बिजली का काम, सड्कों

का काम और पानी का काम यानी हर तरीके से प्रदेश आगे बढ़ा है तो टूरिजम भी इसका अंग है । आज अगर हम दूसरे प्रदेशों का मुकाबला करना चाहते हैं, तो बिना टूरिजम के हम वहू मुकाबला नही कर सकते हैं । अगर बाहर से टूरिस्ट हमारे प्रदेश में आते हैं तो उनको अगर आराम के लिए अच्छी जगह मिल जाती है तो वे कितना खुश होंगे, इसलिए प्रदेश के लिए यह भी तुक जरूरी चीज है । आज अगर हमारा कोई आदमी दिल्ली में रहना चाहे तो उसे वहां जगह नही मिलती और अगर कही मिल भी जाए तो वह कास्टली है । आज सम्मालखा में रह कर आदमी दिल्ली से काम करके आ सकता है । इसी तरह फरीदाबाद ने कमरा लेकर देहली से काम करके वहां आकर ठहर सकता है । तो इससे फायदा हुआ है । हमारी इन सुविधाओं को देखकर जो दूसरे प्रदेशों से लोग आते हैं वह इसकी तारीफ करते है । आज किसी ने अगर काश्मीर को जाना होता है तो वह हमारे प्रदेश से जाएगा और पंजाब से होकर जाएगा । जब काश्मीर जाने वाला हरियाणी से पास होगा और यहां उसको रास्ते में ठहरने के लिए अगर जगह भी न हो तो उसका क्या इम्प्रैशन होगा? इसलिए हरियाणों के टूरिजम के डिपार्टमैंट ने हमारे प्रदेश की शान को बढ़ाया है, घटाया नही है । इसलिए इन अल्फाज के साथ मैं इस एप्रोप्रिएशन बिल की ताईद करता हू ।

11.00 बजे

चौधरी मनफूल सिंह (झज्जर) : स्पीकर साहब इस वक्त एप्रोप्रिएशन बिल जेरे बहस है । इसमें डिमांड नम्बर 14 और 17 जो कि फूड एड सप्लाईज और ऐग्रीकल्चर के बारे में है इन पर मैं बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं । डिमांड नम्बर 14 के तहत जो कि फंड एंड सप्लाईज के नीचे आती हुऐ एक करोड़ तीन लाख और 67 हजार रुपए की मांग को गई है । तो मैं इसके बारे में आपकी मार्फत थोड़ी सी पालिसी मैटर पर सबमिशन्ज करूंगा । स्पीकर साहब आज हमे आजाद हुए 26 साल हो गए हैं लेकिन हमारा अनाज का मसला हल नहीं हो पाया, बावजूद इस बात के कि 80 फीसदी आबादी इस देश की खेती का काम करती है । इसके मुकाबले मैं जो दूसरे मुल्क हैं वह पर 15 या 20 फीसदी से ज्यादा लोग खेती पर काम नहीं करते और वे अनाज बाहर एक्सपोर्ट करते है । यहा पर 80 फीसदी लोग खेती पर काम करते हैं और आजादी के 26 साल बाद भी हालत यह है कि अगर अनाज बाहर से न आयु तो भूखे मर जाएं । इसका कारण क्या है? इस के दो कारण हैं, एक तो यह है कि किसान को आज तक उसकी मर्जी के मुताबिक साधन नही मिले यानी हर किसान को उसके खेत के अन्दर अपनी मर्जी के मुताबिक पानी नही मिला । अगर उनको अपनी मर्जी और जरूरत के मुताबिक पानी मिल जाए और दूसरे उसको उसके गेहूं और अनाज की मुनासिब कीमत मिल जाए तो कोई ऐसी वजह नही कि देश में अनाज की कमी हो सके । यह दो मुख्य कारण हैं जिनकी वजह से अनाज की पैदावार कम होती है । पिछले साल किसान का गेहूं 76 रूपए क्विटल खरीद

किया गया था, उसको देना पड़ा मजबूरी में, लेकिन वही गेहूं बाद में 176 रूपए क्विटल बिका । पिछले साल जब फसल को बिजाई हुई तो किसान को चूकि रेट की अनसर्टनटी थी इसलिए गदम की फसल पिछले साल से इस साल कम पैदा हुई । बाद –में सपोर्टिंग प्राईस सरकार ने फिक्स की लेकिन किसी जगह पर 150 रुपए बिक रही है, और किसी जगह पर 175 रुपए बिक रही है । जो कंजयूमर है वह कहता है कि ट्रेडर बईमान है और ट्रेडर कहता हे कि किसान अपने घर में गदम दबाए बैठा है । इस तरीके से तीनों में एक दूसरे के प्रति अविश– वासा फैला हुआ है और स्पीकर साहब देहली में वही गदम 275 रुपए फी क्विटल है । इसलिए किसान जो हैं इस किस्म की अनसर्टनटी को देखते हुए गदम को दबाने की कोशिश कर रहा हे । तो सरकार की यह जो पौलिसी है कि किसान को यह नही पता लगने देना कि तेरा गेहूं किस रेट से लगेगा, उससे प्रोडक्शन कम होती है । फर्टीलाईजर की कीमत आज दुगुनी हो गई है इसलिए हर किसान गेहूं की बजाए चना या जौ की जिन्स पैंदा करेगा क्योकि अगर उसका गेहूं 120 रूपए क्विटल भी खरीदा जाता है तब भी उसको मुनाफा नहीं होता । इसलिए मैं समझता हूं कि अगले साल इससे भी कम गेहूं पैदा होगी । आज हालत ऐसी हो चुकी है कि कंज्यूमर को इस बात का पता नही कि उसे अनाज मिलेगा कि नही, आम आदमी देहातों में बोरियां लिए फिरते थे ताकि गदम खरोद लें, जिसने न खरीदनी थी उसने भी खरीद की ।

श्री राम सरन चन्द मित्तल : आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर । स्पीकर साहब, यह फिर आउट आफ दी स्कोप जा रहे हैं । Demand No. 17, on page 15, it is written—

"Investment in the Share Capital of Haryana State Seed Corporation".

It has been further stated in the explanation to this Demand that—

"It has been decided to set up Haryana State See d Corporation during the year—....

Chaudhri Manphool Singh : I am speaking on the policy matter .

श्री राम सरन चन्द मित्तल : जो डिमांड है, जो आईटम मांगी हे उसी की पालिसी के बारे में आप बोल सकते हैं, लेकिन सारे डिपार्टमैंट की पालिसी पर नही बोल सकते ।

चौधरी मनफूल सिंह : डिमांड नम्बर 14 फूड एंड न्यूट्रीशन के बारे में है ।

श्री राम सरन चन्द मित्तल : इसमें सिर्फ व्हीट बोनस है ।

चौधरी मनफूल सिंह : स्पीकर साहब, आपकी मार्फत हाउस को बताने का मेरा मतलब यह था कि देश के अन्दर अनाज की कमी क्यों है? इसके दो तीन ही कारण है जो मैंने अर्ज किए हैं । इसके अलावा यह बात भी ठीक हए कि अनाज अगर बहुत

मंहगा हो जाए तो गरीब मुलाजिम, सरकारी कर्मचारी और मजदूर बरदाश्त नहीं कर सकते कि वे 17० या 180 रुपए किवटल गदम खरीदे । इसका एक ही इलाज है कि किसान को तो उस की गदम की ज्यादा से ज्यादा कीमत दी जाए । (विघ्न)..

श्री राम सरन चन्द मित्तल : इसमें सिर्फ व्हीट बोनस का ही जिक्र है ।

चौधरी मनफूल सिंहः आप जरा मुझे अर्ज कर लेने दें । मैं कोई बुरी बात नही कह रहा । तो मैं अर्ज कर रहा था– कि इसका एक ही हल है कि किसान को उस की गदम की पूरी कीमत दी जाए, इसको डिटरमिन करने के लिए एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी से उसकी कीमत निकलवा ली जाए कि लागत कितनी आती है और फिर उस पर मुनाफा रखकर उसको सरकार कीमत अदा करे और उसके बाद जिन लोगों की इनकम कम है उसके लिए आप कोई हद 200 या 300 रुपए की रख लें और उनको सबसीडाईज्ड रेट पर व्हीट दी जाए । जब तक यह दोनों बातें नही होंगी अनाज की कमी पूरी नही हो सकती ।

एक माननीय सदस्य किसान की हालत तो पहले से अच्छी हो गई है।

चौधरी मनफूल सिंह : वह कह रहे हैं कि किसान की हालत पहले से अच्छी हो गई है । यह ठीक है पहले साहूकारों की बही में उनके अंगूठे होते थे और अब सरकारी दफतरों में हैं

। कोई किसान ऐसा नही है जिसने कर्जा न ले रखा हो, किसी के सिर पर ट्रैक्टर का कर्जा है, किसी के सिर पर कोई और कर्जा हे । फर्क अब सिर्फ इतना है कि पहले सरमाए– दारों का कर्जा उन के सिर पर होता था– और आज वे सरकार के कर्जई हैं और स्पीकर साहब प्रैक्टीकली उनकी हालत पहले से भो बदतर है और दिनों दिन किसान की हालत खराब होती जा रही है । जिस गांव में पहले 20 ट्रैक्टर थे, आज वहां पर दस ट्रैक्टर रह गए हैं, और जहां पर 30 थे वहां पर 20 भी नही दिखाई देते । अगर उनकी हालत अच्छी होती तो ट्रैक्टर ज्यादा होने चाहिएं थे लेकिन ऐसा नही है । इसलिए मैं आखिर में फिर गुजारिश करूंगा कि अनाज की कमी को पूरा करने के लिए जो दो तीन बातें मैंने अर्ज की हैं, उनको अमल में लाया जाए ।

श्री राम सरन चन्द मित्तल : इस बारे में रूल 201 क्लीयर है––

"201. The debate on the supplementary grants shall be confined to the items constituting the same and no discussion may be raised on the original grants nor policy underlying them save in so far as it may be necessary to explain or illustrate the particular items under discussion."

यह तो स्कोप से बाहर जाकर डिस्कशन हो रही है । उस दिन सुबह से शाम तक डिस्कशन होती रही और कोई बात छोड़ी नही..

आवाजें : वह तो रिवासा पर होती रही ।

श्री अध्यक्षः मित्तल साहब, इसमें ऐसा है कि एप्रोप्रिएशन बिल में जिन डिमांडज का जिकर है उन पर बहस हो सकती है । यह ठीक है कि ओरिजनल डिमांड पर और उसकी पालिसी मैटर पर डिस्कशन नही हो सकती है लेकिन उस डिमांड में जो आईटम्ज है, उन पर ही डिस्कशन हो सकती है और उन आईटम्ज को एक्सप्लेन करते वक्त अगर जरूरी हो तो पालिसी मैटर को रैफर किया जा सकता है ।

श्री अमर सिंह (बवानी खेड़ा–अनुसूचित जाति) : स्पीकर साहब, आज इस वक्त सदन के सामने हरियाणा एप्रोप्रिएशन (नंबर 3) बिल, 1974 पेश है और उस पर बहस चल रही हए। मैं सदन का उकता टाईम नही लेना चाहता और तीन चार डिमांड्ज, डिमांड नं० 10, 14, 16 और 17 के बारेमें अपने ख्यालात का इजहार करना चाहता हूं । रस्मी तौर पर हर साल हर आटम सैशन में सप्लीमैंट्री डिमांड्ज और फिर उनके बारे में एप्रोप्रिएशन बिल आता है और हमेशा हो बजट पास हो जाने के बाद यह आइंटम्ज सदन के सामने आते हैं । मैं अब पहले डिमांड न० 10 मैडीकल एड पब्लिक हैल्थ के बारे में अर्ज करता हू । इस बारे में कल भी नौन–आफिशियल रैजोल्युशन को डिस्कस करते वक्त काफी कुछ कहा जा चुका हए और बताया जा चुका है कि पीने के पानी की कितनी दिक्कत है । इस बारे में परकार को ऐसी पालिसी अपनानी चाहिए कि थोड़े पैसे वाली छोटी–छोटी

स्कीमें अगर चलाई जाएं, तो ज्यादा फायदा हो सकता है । पांच–सात गांव को यूक स्कीम से पानी मिल सकता है और थोड़े पैसे से लोगों को राहत मिल सकती है । जहां लोगों ने बैनिफिशियरी शेयर दिया हुआ है और सारी फारमैलिटीरह पूरी हो चुकी हैं, लेकिन अगर सीमेंट या दूसरी आर्टीकल्ज न होने की बिना पर वह सारा काम रुक जाए तो ऐसा नही होने देना चाहिए और लोगों को पीने का पानी देना चाहिए । मेरे हल्के में कई गांव है जिन में वाटर पाइप डले हुए हैं । मिसाल के तौर पर नलवा है और वह सात–आठ गांव की स्कीम है । वहां पर पाइप बिछी हुई है और सारी फारमैलिटीज पूरी हो चुकी और अब थोड़े पैसे से वहां. काम पूरा हो सकता है और लोगों को पानी मिल सकता हे । इसी तरह से मंगाली की बात है । वहां पर स्टैण्ड पोस्ट तो बना दिए गए है और सारी फारमैलिटीज पूरी है, लेकिन पता नही टैक क्यों छोटा बनाया गया है और इस वजह से सिर्फ हस्पताल को ही पानी मिलता है और गांव को बहुत कम मिल पाता है । वहां पर अगर थोड़ा सा पैसा खर्च हो जाए तो सारे गाव को पानी मिल सकता है बल्कि चार गांवों को पानी मिल सकता है । इसी तरह से दूसरे गांवों जमालपुर वगैरा है, वहा भी थोड़े पैसे से काम पूरा हो सकता है । फिर मुढाल है, वहा पर पिछले तीन साल से वाटर टैंक बनाया जा रहा है, लेकिन पूरा नही हो पाया है, पता नही, सीमेंट नही मिलता या ईटें नहीं मिलती जो काम मुकम्मल नहीं हुआ और अधूरा पड़ा हुआ है । मेरे कहने का मतलब यह है कि यह जो अधूरी स्कीने पड़ी हुई हैं,

इन को जल्दी पूरा किया जाना चाहिए, क्योंकि उन पर पैसा पहले ही काफी लग चुका है और अब थोड़ा पैसे से काम कम्पलीट हो सकता है । उनके पुरान करने से बहुत नुक्सान हो रहा है, क्योंकि एक तो जो उन पर पहले पैसा खर्च किया हुआ है, वह वेस्ट पडा है, उसका कोई फायदा नहीं हो रहा है, दूसरे ऐसी जो अधूरी स्कीमें पड़ी रहती हैं, उनका जो मैटीरियल पड़ा होता है वह उठता रहता है और लौस होता है. तीसरे लोगों को भो कोई फायदा नही होता उनको तकलीफ होती है । इसलिए मेरी अर्ज है कि थोड़ा पैसा लगाकर ऐसी स्कीमों को जो अधूरी पड़ी हुई हैं, उनको पूरा किया जाए ताकि लोगों को भी फायदा हो और सरकार को नुक्सान भी न हो ।

अब मैं फूड एंड सप्लाईज की डिमांड के बारे में अर्ज करना चाहता हूं । यह ठीक है कि इस बारे में सरकार काफी इनोशिएटिव ले रही है लेकिन मैं समझता हू कि जितनी गड– बड़ फूड एण्ड सप्लाईज डिपार्टमैंट में है, इतनो कही और नही है । यह महकमा निसैसटीज आफ लाईफ डील करता है इसलिए इसका लोगों से ज्यादा और सीधा वास्ता पड़ता है । इसलिए इस महकमा का काम निहायत ही ठीक ढंग से होना चाहिए प्रोक्योरमैंट की जो पालिसी पिछले साल थी, वह तो किसी को शक की बात नहीं, फेल हो चुकी है और वह डिफैक्टिव साबित हुई । इस बारे में अब जो पालिसी बनी है, वह भी कोई सकसैसफुल नहीं है । इस मामला में, मैं तो यह समझता हूं कि या तो बिल्कुल फ्री ट्रेड होनी

चाहिए या फिर इस पर प्राइवेट परचेज पर टोटल बैन होना चाहिए और सिर्फ सरकार ही प्रोक्योर करे, लेकिन यह जो लगडी और अधूरी पालिसी है कि ट्रेडाई आधी गदम जो वह खरीद करें, 105 रुपए क्विटल के भाव से सरकार को दें और बाकी आधी जिस मर्जी भाव पर चाहे 150 रुपए क्विटल पर लोगों को बेचे । इस तरह की जो छूट दी जाती है इससे सारी गड़बड़ होती है । तो मेरे कहने का मतलब है कि या इसमें फ्री ट्रेड की पालिसी अप–नाओ या फिर सारी सरकार खरीद करके कन्जयूमर्ज को दे और बाकी के लिए खरीद पर टोटल बैन हो । इस तरह करने से गड़बड़ नही होगी । इसी तरह से चीनी की बाबत अर्ज करता हूं

Mr. Speaker : This is a grant for wheat bonus only. You should confine yourself to that extent. I will not allow discussion about the whole Department.

श्री अमर सिंह : चलो जी, मैं इसे छोड़ता हूं और अब इंडस्ट्री के बारे में अर्ज करता हूं । यह स्माल स्केल इंडस्ट्रीज के लिए 50 लाख रुपए की ग्रांट है और मुझे इस पर कोई आपत्ति नहीं है, बल्कि मैं तो यह चाहता हूं कि बेशक इस मद में और राशि दे दी जाए, लेकिन काम ऐसा होनी चाहिए जिससे जनता को फायदा हो और लोगों का ध्यान स्माल स्केल इंडस्ट्रीज की तरफ लगाने की जरूरत बुश । इस बात में कमी यही रही है कि लोगों को इंडस्ट्रियल एजुकेशन देने के लिए न कोई सैमीनार होते हैं और न इस बारे में कोई ब्लाक, तहसील और जिला लेवल पर ऐसी तालीम देने के लिए कोई सैन्टर्ज हैं, जहां पर लोगो का

ध्यान इंडस्ट्री की तरफ खीचने के लिए तालीम दी जाए और सैमीनार वगैरा करके लोगों को बताया जाए कि खेती ही सिर्फ जरिया मुआश नही है बल्कि और भी साधन रोटी कमाने के हें । इस वक्त तो गांव के लोग एक ही बात समझते हैं कि खेती ही एक माल साधन रोटी कमाने का है, दूसरा कोई नही । अगर उन को बताया जाए कि जितनी मेहनत से वह खेती का काम करते हैं, अगर उतनी मेहनत स्माल स्केल इंडस्ट्रीज लगाकर करें जैसे ऐग्रीकल्चरल इम्प्लीमैंट्स बनाएं निवार बनाए, और ऐसे दूसरे लघु उद्योग चलाए तो ज्यादा फायदा हो सकता हे तब उनका ध्यान इस तरफ लग सकता है । ऐसा करने से जमीन पर जो इतना बोझ है, वह घट सकता है और लोगों को रोजगार मिल सकता है और गांव की बैलैस्ड तरक्की हो सकती है । इस वक्त तो यह हालत है कि गांव में बहुत बेकारी है । खेती का काम साल में तीन महीने का होता है और बाकी 9 महीने लोग बेकार रहते है, और खास तौर पर जो लैंडलैस लेबर है, मजदूर हैं, उनके पास तो कोई काम ही नही है, बेरोजगार फिरते है । इसलिए अगर लोगों को छोटी दस्तकारी के बारे ब्लाक, तहसील और किला लेवल परएजुकेशन देने के लिए सैटर्ज खोले जाएं और सैमीनार किए जाएं तो लोगों को पता लग जाएगा कि दस्तकारी लगाने से उनको ज्यादा फायदा होगा और बेकारी दूर होगी । देश की तरक्की तभी हो सकती है, अगर गांव की तरक्की हो । गांधी जी कहा करते थे कि देश तो गांव में रहता है और अगर किसी ने हिन्दुस्तान देखना है तो गाव में जाकर देखें, गांधी जी का स्वप्न

तभी पूरा हो सकता है अगर गांव में लघु उद्योग लगें और लोगों को 12 महीने का रोजगार मिले । इसलिए मैं अर्ज करता हूं कि इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन बढ़ाने के लिए सरकार को इस बात की तरफ ध्यान देना चाहिए कि लोग इंडस्ट्रियल माईडिड बनें और जब लोगों का माईंड इस तरफ लग जाएगा तो फिर बेकारी नहीं रहेगी वरना यह बेरोजगारी दूर नही हो सकती । गांव के लोग खेती करने वाले लोग तो साल में 9 महीने बेकार रहते हैं, और लैंड लैस लोगों की तो हालत बहुत बुरी है । (इस समय उपाध्यक्षा पदासीन हुई) अब मैं कैपिटल आउट–लें आन ऐग्रीकल्चर के बारे में जिक्र करना चाहता हू । आज से पांच या दस साल पहले जो किसान खेती करता था वह कुरडी का खाद डालता था लेकिन जमीन में यूरिया खाद नही डालता था । आज अगर टैरक्टर से खेती न करें तो जमीन पैदा– वार नही देती । समय भी कुछ बदल गया है, क्योंकि गर्मी के दिनों में गर्मी नही होती और सर्दी के दिनों में सर्दी नही होती, सारी चीजों में अडल्टेरशन होने लग गई है । जैसा कि गवर्नमैंट ने आन दी फ्लोर आफ दी हाउस बताया है कि खाद का रेट सैन्ट्रल गवर्नमैंट ने 103.85 रुपए कर दिया, मैं अर्ज करना चाहता हूं डिप्टी स्पीकर साहिबा, आपके जरिए कि वह किसान, जिसकी जमीन 10 किल्ले से कम है वह उस खाद के खरीद नहीं सकता । खाद की प्रौब्लम तो हल हो गई, न किसान खरीद सकता है और न ही डाल सकता है । खाद इतनी मंहगी हो गई है कि अगर सरकार इस को सबसिडाइज नही करेगी तो पैदावार बहुत कम हो जाएगी, क्योंकि आज 10 किल्ले

जमीन वाला किसान ही ज्यादा पैदावार करता है, उसके सारे बच्चे, सारा कुनबा खेती के काम में जु टा रहता है । अगर सरकार खेती की पैदावार बढ़ाने के लिए किसान को सस्ती खाद नहीँ दे सकती, पानी नही दे सकती, टयूबवैल नही दे सकती तो कैसे काम चलेगा, कैसे ऐग्रीकल्चर प्रोडक्शन बढ़ेगी? इसलिए 10 एकड़ वाला जो किसान है उसको इंसैन्टिव देना पड़ेगा, खाद को सबसिडाइज करना पडेगा, ताकि वह खरीद सके । अगर सरकार 103.85 रुपए से कम भाव नही कर सकती और किसान इस भाव की खाद खरीद कर डाल नहीं सकता तो रिजल्ट यह होगा कि पैदावार 'निल' होगी । इसलिए छोटे किसानों को इसैन्टिव देना पड़ेगा, सबसिडाइज करना पड़ेगा, ताकि वह दो बोरे खाद के डालकर पैदावार बढ़ा सके । तीसरी बात मैं यह अर्ज करना चाहता हू कि जहां तक को–ऑप्रेटिव डिपार्टमैंट का सवाल है.....

उपाध्यक्षा : आपके दस मिनट हो चुके हैं ।

श्री अमर सिंहः एक दो मिनट और दे दें । जहां तक कों–आप्रेशन का ताल्लुक है, सहकारिता तो बेहतरीन चीज है और है चाहता हूं कि सहकारिता के आधार पर सारा काम होना चाहिए, क्योंकि डैमोक्रेसी में खास तौर पर समाजवाद लाने वाले शासन में सहकारिता की अति आवश्यकता है, लेकिन को–ऑप्रेटिव सोसायटियों का जो हमारा प्रोसैस है, वह सारे देश के अन्दर फैल हुआ है । हरियाणा में यह काफी कामयाबी के साथ चल रही हे, क्योंकि यहां को–आप्रेटिव सोसायटियां बहुत है, और सरकार ने

इनको बहुत पैसा दिया है, ग्रांट मिलती है और दूसरी फैसेलिटीज मिलती है, लेकिन इस पैसे का दुरुपयोग होता है । जो आदमी एक दफा को–आप्रेटिव सोसायटी का शासक बन बैठे जिसके हाथ में मैनेजमैंट आ जाता है, वह फिर किसी दूसरे को आने नही देता । जो सैक्रेटरी है, वह सैक्रेटरी रहेगा, जो प्रेजीडैन्ट है, वह प्रेकीडैन्ट रहेगा, और वे सारा पैसा अपने रिश्तेदारों को या दो–चार आदमियों के झूठे–अंगूठे लगवा कर दे देते हैं । क्रडिट शिफ्ट सोसायटी अच्छी थी, फायदे– मंद थी, लेकिन आज उसमें इस प्रकार की कमी है । डिप्टी स्पीकर साहिबा, मेरा निवेदन यह है कि सरकार इस ओर ध्यान दे और यह जो सहकारिता की स्कीम है, इसका जो सिस्टम है, इसको ठीक किया जाए और सहकारिता के ढंग से काम चलाया जाए । इन शब्दों के साथ मैं खत्म करता हू ।

चौधरी प्रताप सिंह दौलता (बेरी) : डिप्टी स्पीकर साहिबा, चूंकि सिर्फ पालिसी मैटर्ज तक कन्फाईन करना है और बातें यह हैं, इसलिए में एक एक मिनट में ही एक–एक बात अर्ज करना चाहता हूं । बात थी सीवरेज की परन्तु सीवरेज से निकल करके राम लाल जीने म्युनिसिपल कमेटी तक पहुंचा दी और म्युनिसिपल कमेटी से अगले प्वांयट पर पहुंचा दी, कि शहर का काम म्युनिसिपल कमेटी जब इलैक्टिड हो, तब अच्छा या जब एडमिनिस्टेरटर हो, तब अच्छा । रैलेवैन्सी तो इस बात की थी नहीं, पर आ गई, इसलिए हमे कहना पड़ता है कि तजुर्बा से

साबित हुआ कि म्युनिसपल कमेटीज जहां–जहां टूटी, एडमिनिस्टेरटर जहां, जहां लगे वहां काम बैटर हुआ बनिस्बत इलैक्टिड म्युनिसिपल कमेटीज के । इसी तरह से गांवों में देखा गया कि पंचायत में सिवाए झगडने के, एक दूसरे के खिलाफ नो काफिन्डैंस मोशन लाने के और श्री श्याम चन्द जी की कोठी को घेरने के जो सैक्टर दो में है और मैंने देखी है, और कोई काम नहीं होता । – (व्यवधान) – सिवाए इसके कि किसी की टांग खैचें, एक दूसरे की टांग खैचें, वहा और कुछ नही होता, यह मानना पड़ेगा कि लोकल बॉडीज में जो डैमोक्रेसी का इनका जो रोल है, वह फेल हुआ है । (विध्न–). टूटेगी अगर यही रहा कि बेटा मुकद्दमे में हैं और बहू उसकी भाग गई, तो उस हालत ने क्या यह असैम्बलिया रखी जाएंगी? अगर यही स्टैण्डर्ड रहा तो हुनको कल कौन रखेगा? यह नेशन देख रही है इस वेस्टेज को । तो मेरी अर्ज यह है कि जहाँ डैमोक्रेसी नही है, जिनकी वे– ओफ लाईफ डैमोक्रेसी के लायक नही है, वह डैमोक्रेसी पर दावा नही कर सकते, वहां डैमो– क्रेसी ज्यादा दिन नहीं चल सकती, लोकल डैमोक्रेसी बिल्कुल फेल्योर है ।

अगली बात मैं अर्ज करना चाहता हफूड के बारे में । फाईनैस मिनिस्टर साहब नोट कर लें और प्लानिंग वाले भी नोट कर ले और सैन्टर तक पहुंचा दें । मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि अगली बार गेहूं नहीं होगा जब तक फारमर्ज को प्रोपर इन्सैन्टिव नहीं देंगे । एक 'गवारा' है उस में न तो खाद डालना

पड़ता है, न पानी डालना पड़ता है, न उस पर कोई मेहनत करनी पड़ती है, बीज फैंका और फसल काट लाओ । अगर वह गेहूं के दुगने भाव बिके तो किसान की अकल मारी गई है कि वह गेहूं बोएगा और मुसीबत मोल लेगा । कभी प्रोक्योरमैंट करने वाला तहसीलदार उसके दरवाजे पर खड़ा है, तो कभी. थानेदार दो डंडे लिए दरवाजे पर खड़ा है, यह भी कोई पालिसी है? This is a failure, lapse of policy altogether so far as wheat production is concerned.

अगर इन्सैटिव देना चाहते है किसान को तो उस पर टैक्स लगाइए छुट्टी का । मैं तो टैक्स के बारे में बिल्कूल क्लीयर हूं । लेकिन जो दाना वह पैदा करता है उसे पैसे लेने दीजिए छुट्टी के पैसे इसी तरह लेने दीजिए जिस तरह से सीमेट वाले नोट खडुखडू कर लेते हैं । जब उसको 40 रुपए में बैग मिलती है, लोहे वाले घडघड के लेते हैं, ए क लोहे के लिए मंडी में जो उसकी खराब मिट्टी होती है, और उसको चीजें नही भि–लती, तो कौन सा मौरल है कि उसकी पैदावार की प्राईस फिक्सड हो? फूड प्राईस के. बारे एज ए होल सोचना पड़ेगा कि प्रोड्यूसर को उसकी प्रोडक्शन फ्री मार्केट में बेचने की इजाजत है या नहीं, वरना गेहूं पैदा नहीं होगा । मैं फूड ऐंड सप्लाई के बारे में इतना अर्ज करना चाहता हू । डिप्टी स्पीकर महोदया, मैं एक महीने तक रोहतक रहा । मेरा यह तजुर्बा है कि गवर्नमैंट को बहुत देर नहीं लगेगी, अमर यह सोशलिजम और यह डैमोक्रेसी जिन्दा रखनी है तो टेरडर को एलिमिनेट करना पड़ेगा । तजुर्बे केतौर पर आप लोग ओं ने

सीमेंट डी–कंट्रोल किया । वह ठीक बात थी, क्योंकि लोग कहते थे कि साहब सीमेंट डी–कंट्रोल करो, क्योंकि सीमेंट कंट्रोल के वक्त गायब हो जाती है । डी–कंट्रोल के वक्त वह गायब ही नहीं हुई, कमाल हुआ है कि सीमेंट जैसी चीज जो बिकती हे उस में भी मिट्टी और मिलाई गई । वह 30/3० और 40/40 रुपए बैग बेची गई । इसलिए गवर्नमैंट को सूनर और लेटर यह पालिसी बनानी ही पडेगी कि जिस चीज की गवर्नमैंट प्राईस मुकर्रर करती है या जिस चीज का वह कंट्रोल करती है उसकी डिस्ट्रिब्यूशन गवर्नमैंट को बतौर पालिसी मैटर लेनी ही पड़ेगी । अपना स्टाफ इनक्रीज करो या कुछ करो, इस ट्रेडर के भरोसे आप इसको नहीं छोड़ सकते । यहां कोई चीज भी विदाउट अडल्ट्रेशन नही मिल सकती । यह है मेरी अर्ज सिविल सप्लाई डिपार्टमैंट के बारे मे ।. (विघ्न).

चौधरी चांद राम जैन : साहब आ गए हए

चौधरी प्रताप सिंह दौलता : डिप्टी स्पीकर साहिबा, न तो जैन साहब किसी की स्पीच में कोई इरेंलेवैन्ट बात करते हैं, न मैं करता हू । मेरी समझ मे नही आती कि चौधरी चांद राम जैसा आदमी ऐसी बात करे कि जैन साहब आ गए है, इसमें ऐसी. क्या बात थी? यह कोई प्वांयट आउट करने की बात है? क्या यह तरीका है? आराम से गुलाब सिंह जैन सुनता है, आरान से मैं सुनता हूं । आदत है जी वकीलों को कि हम अपना आर्गु– मैट या तो बिल्ड करते हैं या खत्म कर देते है । अगर मेरे भाई सुनने के

लिए तैयार न हों तो मैं खत्म कर देता हूं । वरना मैं आपकी प्रोटेक्शन चाहूंगा कि कम–कम से हमें कोई डिस्टर्ब न करे । हम दो आदमी ऐसे हैं कि किसी के बीच में नहीं बोलते । हम भी यही एक्सपैक्ट करते हैं आनरेबल मैम्बर से ।

तीसरी चीज जो मैं अर्ज कर रहा था, डिप्टी स्पीकर साहिबा, वह टूरिजम के बारे में है । इस में मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि हमारी गवर्नमैंट की टूरिजम के बारे में जितनी साउंड पालिसी है इतनी शायद ही किसी और गवर्नमैंट की है । चौधरी राम लाल जो को मैं यह दाद देता हूं कि वे बडे तैयार हो कर आते हैं और ऐसे मैंबर हाउस में न हो तो मुश्किल है, ऐसे लापरवाह मैंबर भो यहां है, जो 'हा' भर लेते हैं फौरन ही । उन्हें यह मालूम नही कि रैजोल्यूशन हां का है या मुखालफत का है । मैं चौधरी राम लाल जी की इज्जत करता हूं बड़ी प्रेपरेशन से आते है मगर जब मैं उनकी दलील काटता हूं तो वे यह न समझें कि राम लाल जी के लिए मेरे मन में उन के काम की कोई रिस्पैक्ट नहीं है । मैं चौधरी राम लाल जी से अर्ज करूंगा कि ट्रिजम के बारे में उन का जो ख्याल है, वह बिल्कुल गलत है । टूरिजम का डिपार्टमैंट हरियाणा के लोगों के लिए नही है । टूरि जम डिपार्टमैंट बाहर के लोगों के लिए होता है कि वे लोग आएं और जाए । इसके दो ऑब्जैक्टिवज है, पालिसी मैटर के । नम्बर वन, जो बाहर के आदमी हैं, काश्मीर जा रहे हैं शिमला जा रहे हैं, हम रास्ते में है, उन लोगों को हमारी स्टेट के बारे में क्या

इम्प्रैशन हो । टूरिस्ट डिपार्टमैंट तो एक रैस्ट–विंडो है । अमीर लोग ही जाएंगे टूरिजम के लिए । ऐसे वक्त में कोई मिडल क्लास का, पिजैन्टरी क्लास का या वों–मिडल–क्लास का आदमी तो तभी जोएगा, जब उसे गवर्नमैंड स्पाँसर्ड बसें वगैरा ले जाएंगी । जब एक अमीर आदमी बम्बे से शिमला के लिए चलता है, अगर उसे 65 रुपए में एयर कडीशंड कमरा करनाल में मिल जाए तो उसके लिए भी ब्लैसिंग है और स्टेट के लिए भी ब्लैसिंग है, इसमें क्या एतराज की बात है? इसमें सोशलिजम की क्या बात है? बहुत सी चीजें गरीब आदमी के लिए नही हैं, इस भगवान ने अगर कोई है तो नही बनाई । टूरिजम गरीब आदमियों के लिए नही हए, यह रिच्च आदमियों के लिए है । हर चीज में गरीब आदमी को तलाश करना बड़ी भारी भूल है । टूरिजम डिपार्टमैंट ने सड्कों पर जितने बोर्ड लगाए हैं. वे

उपाध्यक्षा : आप भी बोल लेना पर एक वक्त में एक ही तो बोल पाएगा।

चौधरी चांद राम : वह तो मैं समझता हूं और समझ के बैठ जाता हू, परन्तु मुझे अभी तक तो टाईम मिला नही ।

उपाध्यक्षाः सभी को टाईम मिलेगा, आप चिन्ता न करें । चौधरी पीर चन्द जी आप कृपया दो मिनट के लिए बोल लें ।

चौधरी पीर चन्द (बरवाला–अनुसूचित जाति) : उपाध्यक्ष महोदया, आज हमारे सामने यहां जो खर्चे का जिक्र आया

है, यह बहुत ही. अच्छी बात है । स्टेट में जब खर्चा होगा तभी तो हकूमत चल पाएगी और स्टेट में विकास होगा । मैं समझता हू कि इस बिल में जो खर्चा पब्लिक हैल्थ के लिए मांगा गया है, यह कुछ और कुछ जयादा बड़ा दिया जाए, लेकिन हुसकी सहूलियत उन लोगों के लिए ही न हो जो बहुत बड़े धनाढय लोग हों, और धन दौलत के मालिक हों । यह नही होना चाहिए कि इन लोगों की सहूलियत के लिए तो लाखों करोड़ों रुपया खर्चा जाए, लेकिन उन बस्तियों में जहां हरिजन रहते हों, जहां बैक– वर्ड क्लास के लोग रहते हों, जहा छोटे आदमी रहते हों, वहा एक पाई भी खर्च न की जाए । इसके लिए सरकार को पहले उन लोगों के लिए सुविधा देनी चाहिए जहां आबादी ज्यादा होती है । आबादी ज्यादा, डिप्टी स्पीकर साहिबा, गरीब बस्तियों में ही हौती हैं क्योंकि बदकिस्मती से इन लोगों के बच्चे भी ज्यादा होते है । इन बस्तियों में सफाई भी कम रहती है । इसलिए मैं सरकार से निवेदन करूंगा कि सफाई पर पैसा, सीवरेज के लिए पैसा, पानी पर पैसा, यह वहां पहले खर्चे जहां आबादी ज्यादा हो और गरीब लोग आबाद हों ।.. (विध्न)..

गृह मन्त्री (श्री के ० एल० पोसवाल) : फैमिली प्लानिंग पर अमल कर ज्यों ।

चौधरी पीर चन्द : फैमिली प्लानिंग तो पहले ही होती है । पकड़–पकड़ कर यह कह कर कि तुम्हें कर्जा दें रहे हैंय ले

जाते हैं, और बाद में फैमिली प्लानिंग का आप्रेशन कर हैं ।.. (विध्न)..

उपाध्यक्षा : अब आप जल्दी खत्म करे, आपका टाईम हो गया है ।

चौधरी पीर चन्दः डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं आपका ज्यादा वक्त न लेते हुए, क्योंकि टाईम थोड़ी दिया गया है, फूड एंड सप्लाईज डिपार्टमैंट की तर फ आता हूं । हमारे मिनिस्टर साहब यहा बैठे ह्यु हैं । इनका ध्यान मैं एक बात की तरफ दिलाना चाहता हुं । इन्होने इस डिपार्टमैंट के लिए जो डिमांड की है, वह शायद ठीक ही की है और हमे विश्वास है कि हमारी बात परवे अमल भी करेंगे । मैं आपके द्वारा, डिप्टी स्पीकर साहिबा, इनसे यह निवेदन करना चाहता हू कि आज के इस मंहगाई के जमाने में, इस अखरा– जात के जमाने में, एक गरीब आदमी के लिए अनाज लेना बड़ा मुश्किल हो रहा है । इन बड़े आदमियों को, मिनिस्टर लोगों को तो शायद इस बात का पता नही होगा. लेकिन मुझे पता है, क्योंकि मैं उन बस्तियों में रहता हूं, उन गरीब आदमियों में मेरा जाना है, जिन्हें कई–कई दफा एक वक्त का खाना भी मुय्यसर नहीं होता । हमारे चौधरी दौलता साहब ने फरमाया है कि कीमत अनाज की कम है । अगर यह कीमत इसी तरह बढ्ती रही जैसा कि 76 रुपए से एकदम 150 पहुंच चुकी है, और आगे आने बाते समय में और ज्यादा बढ़ेगी, तो हो सकता है कि गरीब आदमी का जीना मुश्किल हो जाए और सरकार को

फैमिली प्लानिंग करने की जरूरत ही न पड़े 'क्योंकि वे अपने आप भूख से ही मर जाएंगे । मेरा सरकार से निवेदन है कि गरीब लोगों के लिए, हरिजनों के लिए, बैकवर्ड क्लासिज के लोगों के लिए और तीन सौ रुपए से कम जिनकी पे है, उन लोगों के लिए अलग से डिपो खोले जाएं या इनके लिए कोई ग्रांट की शक्ल में यह रियायत कर दी जाए कि कनक बजाय 105 रुपए के 80 या 60 रुपए क्विटल के हिसाब से दी जाए ताकि ये लोग अपना गुजारा कर सकें । डिप्टी स्पीकर साहिबा, आज हमारे हरियाणा के अन्दर जो मजदूर लोग हैं, उनके लिए भी कोई मजदूरी नही है । आज वे सब लोग बेकार हैं । डिप्टी स्पीकर साहिबा, वह वक्त मेरा देखा हुआ है कि अंग्रेजों के टाईम में जब भीकोई देश पर मुसीबत आती थी, तो चाहे वे कही से भी मंहगा अनाज लाते, मगर हिन्दुस्तान में या हरियाणा के अन्दर गरीब लोगों के लिए कन्सैशनल रेट्स के अलग से डिपो खोलते थे और सस्ता अन्दाज उनकी जान बचाने के लिए बड़ी अच्छी तरह से सप्लाई करते थे । वे पशुओं के लिए चारा भी देते थे । दोनों ही चीजें देकर वे जनता की सेवा करते थे । आज तो हम आजाद हैं और इस आजाद देश के अन्दर सरकार हमारी अपनी है । इसलिए मुझे इस सरकार से उम्मीद है कि यह हमारे लिए, गरीब और मजदूर किसान के लिए, बैकवर्ड क्लासिज के लोगों के लिए और जिनकी पे कम है, उनके लिए, जितनी भी ज्यादा से ज्यादा रियायतें हो सकेंगी देगी । इन शब्दों के साथ, डिप्टी स्पीकर साहिबा, मै आपका बहुत–बहुत धन्यवाद करता हूं ।

चौधरी चांद राम (बबैन अनुसूचित जाति) : डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं आपका मश्कूर हू, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया । इससे पहले कि मैं कुछ बातें एप्रोप्रिएशन बिल पर कहूं, मैं चेयर से कुछ बातों के बारे में प्रार्थना जरूर करना चाहता हूं । हाउस में कुछ प्रैसीडैन्ट्स होते हैं, कुछ कनवैनशन्ज होती हैं । हाउस में जो बड़ा ग्रुप हो, रिकग्नाईजड ग्रुप हो, पहले उसको बोलने का मौका मिलना चाहिए, । मैं आपसे यह कहना चाहता हूं कि जब कोई बड़ा मैंबर, मिनिस्टर या मुख्यमंत्री बोलें, या कोई छोटे मैंबर बोले वह रूल्ज के मुताबिक बोले । मेरे सामने स्पीच है, जिस दिन चीफ मिनिस्टर साहब बोले थे.. (विघ्न)।

चौधरी चांद राम : मैं इसी पर ही बोल रहा हूं, अगर आप मुझे बोलने देंगी तो ही बोलूगा (विघ्न और शोर) मैं तो आप पर ही छोड़ रहा हूं, मैं तो सिर्फ आप का ध्यान दिला रहा हूं । जिस दिन डिमांडज का दिन था, उस दिन हमारे मुख्य मैतो साहब को साढ़े तीन घंटे के करीब समय दिया । अगर मैं पिछले दिन का जिक्र न करूं.. (विघ्न . शोर)..

Deputy Speaker : You leave that thing to the Chair.... You should speak on the Bill.

उपाध्यक्षा : आप किसी और चीज पर न बोलें, केवल बिल पर ही बोलें.. (विघ्न).. ।

सिंचाई एवं बिजली मंत्री (श्री बनारसी दास गुप्त) : आन ए प्वायंट आफ आर्डर डिप्टी स्पीकर साहिबा, जिस

एप्रोप्रिएशन बिल पर डिस्कशन चल रहा है, उसमें चीफ मिनिस्टर साहब के नाम की कोई ऐसी डिमांड नही है, जिस पर सदन में चर्चा हो ।.. (विध्न. शोर)..

Deputy Speaker : Even if you were to give personal explanation you cannot do so after one day. (Noise) It is my ruling that if you want to speak you can speak on the Appropriation Bill. You cannot speak on any other matter. If you want to raise any other issue, you can only raise it at proper time but not now.

चौधरी चांद राम : डिप्टी स्पीकर साहिबा, पीछे जो तकरीर हाउस में चीफ मिनिस्टर साहब की हुई (विध्न)

Deputy Speaker : Please continue your speech on the Appropriation Bill otherwise you cannot speak.

चौधरी चांद राम : डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैने कहा कि इस हाउस में जो एप्रोप्रिएशन बिल हमारे सामने है, उस दिन डिमांडज पर इस हाउस में कुछ तकरीरें हुई । मैं उनका हवाला दिए बगैर आगे कुछ कह सकता हूं । अगर आपकी यह रूलिंग है ? (विघ्न)..

श्री बनारसी दास गुप्त : डिप्टी स्पीकर साहिबा, यह कौन. सी डिमांड है, जिस पर ये बोल रहे है । (विघ्न)

चौधरी चांद राम : डिप्टी स्पीकर साहिबा, उन सारी डिमांडज का एप्रोप्रिएशन बिल है, कोई पार्टीकुलर डिमांड तो है नहीं । (विध्न).

श्री बनारसी दास गुप्त : डिप्टी स्पीकर साहिबा, मेरा यह सजैशन है कि जो डिमांडज एप्रोप्रिएशन बिल के अन्दर हैं, उन ही डिमांडज पर बोल सकते हैं । एप्रोप्रिएशन बिल के अन्दर जो डिमांड्ज शामिल ही नहीं हैं, उन पर कैसे बोल सकते हैं? (विघ्न).. हर वक्त रिवासा काण्ड की रट लगा रखी है (विघ्न)

चौधरी चांद राम : आपको यह पता ही नही है किं मैं कौन–सी डिमांड पर बोल रहा हूं. (विघ्न)

Deputy Speaker : I have already given my ruling that you can speak on the Appropriation Bill and not on any other thing.

चौधरी चांद राम : डिप्टी स्पीकर साहिबा मैंने अभी कुछ नही कहा । मैं किसी डिमांड पर बोला नहीं (विघ्न)

(इस समय अध्यक्ष महोदय पदासीन हुए)

Mr. Speaker : No reference to earlier discussion.

चौधरी चांद राम : स्पीकर साहब, उस दिन जो डिमांडज पास हो गई, उनका यह विनियोग बिल हमारे सामने है । जो डिमांड्ज उस दिन पास हुई.. (विध्न)

Mr. Speaker : You cannot repeat the discussion nor

can you repeat the arguments of the earlier discussion.

चौधरी चांद राम : स्पीकर साहब, उस दिन जो डिमांड्ज पास हुई, उनका तो यहां जिक्र होना ही है । आर्गुमैंट्स की मैंने कौन सी बात कही है । जो तकरीर उस दिन हुई, और जो डिमांड्ज पास हुई उन्ही के बारे में कह रहा हूं –– (विध्न) ––

Mr. Speaker : Please speak on the Appropriation Bill which is at present before the Assembly. (Interruptions).

चौधरी चांद रामः वही मैं कह रहा हूं, मैंने और क्या कहा है? जो इस्तेमाल करने वाली मशीनरी है, उस इस्तेमाल करने वाली मशीनरी के बारे में मैं कहूंगा या नहीं.. (विध्न).

Mr. Speaker : No repetition of earlier discussion.

चौधरी चांद राम : आप रोक दीजिए, मैं नही बोलूंगा । मैं बैठ जाता हूं।

वित्त मन्त्री (श्री राम सरन चन्द मित्तल) : अध्यक्ष महोदय, आज जो बिल सदन के सामने है, उस पर कुछ माननीय सदस्यों ने नुक्ताचीनी की है ।. (विध्न).

मुख्य मन्त्री (चौधरी बंसी लाल): स्पीकर साहब, इनको पहली घर वाली का तो पता नहीं है कि कैसे मरी है? (चौधरी चांद राम की ओर इशारा करते हुए) यह आदमी तो ऐसा है कि इसको पता नहीं है कि इसके घर वाली कैसे मरी? (विध्न)

Mr. Speaker : No interruptions please ..

श्री राम सरन चन्द मित्तल : स्पीकर साहब, अगर सप्लीमैंट्री डिमांडज का प्रीफेस ही पढ़ लेते तो शायद इतना कहने–सुनने की जरूरत न पड़ती । इसमें ज्यादातर रुपया वह है, जो एक हैड से दूसरे हैड में ट्रांसफर किया गया है, क्लासिफिकेशन की तबदीली की वजह से । यह गवर्नमैंट के रूल्ज के मुताबिक जो स्टेट कनटीन्जैसी फंड से रुपया लिया गया है, उसको री–कूप करने की वजह से सप्लीमैंट्री डिमांडज लाई गई हैं । नैट एडीशनल डिमांड्ज 1 करोड़ 41 लाख रुपए की है और टोटल एडीशनल डिमांडज 21 करोड 60 लाख रुपए की थी, जिसमें से 20 करोड़ 19 लाख रुपया हमारे पास आ जाएगा ।

एक–एक आईटम का जहां तक सम्बन्ध है, उसके बारे में मुझे यह प्रसन्नता है कि कुछ माननीय सदस्यों ने जहां नुक्ताचीनी की है, वहां उन्ही की तरफ से कुछ सदस्यों ने जवाब भी दे दिया है । जिस टूरिजम के बारे में इतना रुपया खर्च किया जा रहा है, उसके बारे में चौधरी प्रताप सिंह दौलता जी ने बतलाया है कि यह टूरिस्टस के लिए है । हर प्रदेश के अन्दर टूरिस्ट डिपार्टमैंट इसलिए काम करता है कि वहां पर दूसरे प्रदेशों के लोग आवें और प्रदेश को देखें ताकि उस प्रदेश का इमेज बने और साथ ही कमर्शियल टाईप भी है । इसके अन्दर कमर्शियल स्प्रिट भी है, इससे प्रांत को मुनाफा पहुंचता है । स्विटजरलैडं एक छोटा सा मुल्क है, वह बड़ा रिच है, वहां का एडमिनिस्ट्रशन बड़ा

छोटा है, लेकिन वहां पर सारी दुनियां भर के लोग जाते हैं, क्योंकि वहां टूरिस्ट्स के लिए बड़ी अच्छी जगहें हैं । इस प्रकार से स्विटजरलैड को टूरिस्ट इंडस्ट्री से बड़ी आमदन है । इसी प्रकार से हमारे यहां काश्मीर में भी लोग जाते हैं । मैं एक प्रदेश में गया वहां के टूरिजम के मिनिस्टर से मेरो बातचीत हुई और उन्होंने मुझे खाने पर भी इन्वाईट किया और हमारी आपस में बातें हुई । उन्होंने हमारे टूरिस्ट स्पॉट्स की बड़ी तारीफ की । मैंने उनको भी इनवाईट किया और उनको कहा कि आप आए, आपको दिखाएंगे । राजस्थान में कुछ वो ०आई० पीज० मिले, उन्होंने कहा कि आपका धारूहेडा का टूरिस्ट स्पाट जो है, वह बड़ी अच्छी जगह है, जो जयपुर से इधर है । उन्होंने कहा कि हरियाणा के टूरिस्ट हाउसिज में ठहरने का, खाने का बड़ा अच्छा इंतजाम है । टूरिजम डिपार्टमैंट बड़ा जरूरी है लेकिन अपने प्रांत की पिक्चर बनाने के लिए भी यह जरूरी है ।

अब मैं एग्रीकल्चर और फूड ऐंड सप्लाईज डिपार्टमैंटस के बारे कुछ चर्चा करना चाहता हूं । मैंबर साहबान ने अपने–अपने वियूज ऐक्सप्रैस किए, बड़े लम्बे चौडे वियूज हैं, लेकिन इस बिल पर डिस्कशन का बडा लिमिटिड स्कोप है । किसानों को जो ह्वीट बोनस देना है, उसके बारे में' स्कीमें बनाई जा रही हैं । इसमें कोई झगड़े की बात नहीं है । उसी तरह से इंडस्ट्री का हे । उसने जितनी सैन्ट्रल गवर्नमैंट की स्कीमज है, उनके बारे बैंक–वर्ड एरियाज के बारे में 10 परसैन्ट या 1 5 परसैन्ट जो भी' है,

वह गवर्नमैंट ऑफ इंडिया सब–सिडी देगी ताकि वहां इंडस्ट्रीलाईजेशन का काम तेजी से हो । सप्लीबेंट्री ऐस्टीमेट्स में तमाम डिमांडज का खुलासा दिया हुआ है, और मैं समझता हूं कि सदन का ज्यादा समय नही लेना चाहिए । मैं निवेदन करूंगा कि यह एप्रोप्रिएशन बिल पास कर दिया जाए ।

Mr. Speaker : Question is—

That the Haryana Appropriation (No.3) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker : The Bill will now be taken up for consideration Clause by Clause.

Clauses 2 & 3

Mr. Speaker ; Question is—

That clauses 2 and 3 stand part of the Bill.

The motion was carried

Schedule

Mr. Speaker ; Question is-

That Schedule be the Schedule of the Bill.

The motion was carried

Clause 1

Mr. Speaker ; Question is—

That clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried

Enacting Formula

Mr. Speaker ;Question is—

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried

Title

Mr. Speaker : Question is—

That Title be the title of the Bill.

The motion was carried

दी हरियाणा एप्रोप्रिएशन (नं 4) बिल, 1974

Fanance Minister (Shri Ram Saran Chand Mital) ; Sir, **I** beg to move—

That the Haryana Appropriation (No.3) Bill be passed.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the Haryana Appropriation (No. 3) Bill be passed.

Mr. Speaker ; Question is—

That the Haryana Apporpriation (No. 3)Bill be

passed.

The motion was carried

Finance Minister (Shri Ram Saran Chand Mital) : Sir, I beg to introduce the Haryana Appropriat ion (No. 4) Bill, 1974.

Sir, **I** also move—

That the Haryana Appropriation (No. 4) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the Haryana Appropriation (No.4) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Question is -

That the Haryana Appropriation (No. 4) Bill be taken into consideration at once

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now the House will take up the Bill clause by clause.

Clauses 2 and 3

Mr. Speaker : Question is -

that Clauses 2 and 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

SCHEDULE

Mr. Speaker : Question is—

That Schedule be the Schedule of the Bill.

The motion vas carried.

Clause 1.

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker : Question is—

That enacting formula be the enacting formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker : Question i s—

That title be the title of the Bill.

The motion was carried.

Finance Minister (Shri Ram Saran Chand Mital) : Sir, I beg to move—

That the Haryana Appropriation (No. 4) Bill be passed.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the Haryana Appropriation (No. 4) Bill be passed.

Mr. Speaker : Question is—

That the Haryana Appropriation (No. 4) Bill be passed.

The motion was carried.

दी हरियाणा इण्डस्ट्रीयल एस्टेटस (डिवैल्पमैंट एंड रैगुलेशन) बिल, 1974

Industries Minister (Shri Harpal Singh) : Sir, **I** beg to introduce the Haryana Industrial Estates (Development and Regulation) Bill, 1974.

Chaudhri Ram Lai Wadhwa : On a point Order, Sir; Mr. Speaker Sir, Rule 12 (1) of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Vidhan Sabha reads

"125 (1) A Bill involving expenditure shall be accompanied by a financial memorandum which shall invite particular attention to the clauses involving expenditure and shall also give an estimate of the recurring and non-recurring expenditure involved in case the Bill is passod into law.

इसमें दो चीजें हैं । एक तो यह है ———

" shall invite particular attention to the olauses involving expenditure.',

दूसरी यह है कि –

give an estimate of the recurring and non-recurring expenditure involved "

यह जो फाइनेंशियल मैमोरैंडम इस बिल के साथ है, इस फाईनेंशियल मैमोरैडम में यह लिखा है : ––

"Since it cannot be anticipated as to when and up to what extent the land will be acquired, it cannot be said what would be the extent of recurring or non-recurring expenditure involved. The State Government will have to bear the expenditure as and when the land will be acquired. However , the expenditure incurred will be realised back on the sale of plots and no extra financial liability is expected as a--result of this Bill."

स्पीकर साहब, जो रूल 125 मैंने पढ़ा है, इसके मुताबिक यह बिल– डिफैक्टिव है और सदन में प्रस्तुत नहीं हो सकता क्योंकिं अगर इस तरह से होने लगा फिर तो कोई भी बिल आ जाएगा, और उसमें ये लिख देंगे कि इस वक्त हमारा कोई भी ऐस्टीमेट नही है और कोई भी आमदनी या खर्चा इसमें जमा हो जाएगा । इसलिए मेरी प्रार्थना यह है कि रूल 125 को देखते हुए जोकि मैनडेटरी है, इस बिल को डिसअलाऊ किया जाए ।

Mr. Speaker : The objection raised by the Hon. Member should have been raised before the introduction of the Bill and even if he has raised this objection after introduction, the Rule requires

चौधरी राम लाल वधवा: स्पीकर साहब, आपने तो अभी मोशन मूव ही नही क्रिया है । उन्होंने अभी इन्ट्रोडयूस किया और मैं खड़ा हो गया हू । उनके इन्ट्रोडयूस करने से पहले तो मैं अपना आब्जैक्शन रेज ही नही कर सकता था । जब तक वह बिल इन्ट्रीडियूस नही करेंगे तब तक मैं कैसे ऑब्जैक्ट कर सकता हूं?

Mr. Speaker : The Bill has been introduced and now the motion will be for the consideration of the Bill.

Chaudhri Ram Lal Wadhwa : When the Hon. Minister for Industries introduced the Bill, **I** raised point of order just after that.

Mr. Speaker : The objection should have been raised before that.

चौधरी राम लाल वधवा : स्पीकर साहब, मैं तभी तो इसको डिस–अलाउ करने के लिए रिक्वैस्ट कर सकता हूं जब यह बिल इन्ट्रोडयूस हो जाए ।

Mr. Speaker : All right. Rule 125 requires the financial Memorandum and the financial Memorandum is there. The objection is over-ruled.

Shri Harpal Singh : Sir, **I** beg to move—

That the Haryana Industrial Estates (Development and Regulation) Bill, be taken into consideration at once

Mr. Speaker : Motion moved—

That the Haryana Industrial Estates (Development

and Regulation) Bill, be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Question is —

That the Haryana Indus trial Estates (Development and Regulation) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker. : The Bill will now be taken into consideration clause by clause.

Sub-Clause (2) of Clause 1

Mr. Speaker : Question is—

That Sub-Clause (2) of Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker : I am putting all the Clauses together, If any hon. Member wants to speak on any Clause, he may tell me, when I mention the number of that Clause.

Clauses 2 to 21.

Mr. Speaker : Question is—

That Clauses 2 to 21 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Sub-Clause (1) of Clause 1.

Mr. Speaker : Question is–,-

That sub-Clause (1) of Clause 1 stand put of the Bill. The motion was carried.

Enacting Fomula.

12—00 बजे

Mr. Speaker : Question is—

That Enacting formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title.

Mr. Speaker : Question is—

That title be the title of the Bill.

The motion was carried.

Industries Minister (Shri Harpal Singh) : Sir, I beg to move—

That the Haryana Industrial Estates (Development and Regulation) Bill, be passed.

Mr. Speaker : Motion moved-

That the Haryana Industrial Estates (Development and Regulation) Bill, be pasted.

Mr. Speaker : Question is—

That the Haryana Industrial Estates (Development and Regulation) Bill be passed.

The motion was carried.

दी हरियाणा अनैटमी बिल, 1974

State Minister for Home and Health (Shrimati Sharda Rani) : Sir, **I** beg to introduce the Haryana Anatomy Bill, 1974.

Sir, **I** also move—

That the Haryana Anatomy Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the Haryana Anatomy Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Question is—

That the Haryana Anatomy Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker : The Bill will now be taken into consideration clause by clause,

Sub-Clause (2) of Clause 1.

Mr. Speaker : Question is—

That Sub-Clause (2) of Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clauses 2 to 11.

Mr. Speaker : Question is—

that Clauses 2 to 11 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Sub-Clause (1) of Clause 1.

Mr. Speaker : Question is—

That Sub-Clause (1) of Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula.

Mr. Speaker : Question is—

That the Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title.

Mr. Speaker Question is—

That title be the title of the Bill.

The motion was carried.

State Minister for Home and Health (Shrimati Sharda Rani) : Sir, **I** beg to move—

That the Haryana Anatomy Bill be passed.

Mr Speaker : Motion moved—

That the Haryana Anatomy Bill be passed.

Mr. Speaker : Question is—

That the Haryana Anatomy Bill be passed.

The motion was carried.

दी हरियाणा कोरनियल ग्राफटिग बिल, 1974

State Minister for Home and Health (Shri mati Sharda Rani) : Sir, **I** beg to introduce the Haryana Corneal Grafting Bill, 1974.

Sir, **I** also move—

That the Haryana Corneal Grafting Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the Haryana Corneal Grafting Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Question is—

That the Haryana Corneal Grafting Bill be taken into consideration at once. The motion was carried.

Mr. Speaker : The Bill will now be taken up for consideration clause by clause.

Sub-Clause (2) of Clause 1.

Mr. Speaker : Question is—

That Sub-Clause (2) of Clause 1. stand part of the Bill.

The motion was carried,

Clauses 2 to 8.

Mr. Speaker : Question is—

That Clauses 2 to 8 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Sub-Clause (1) of Clause 1.

Mr. Speaker : Question is—

That Sub-Clause (1) of Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula.

Mr. Speaker : Question is—

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title.

Mr. Speaker : Question is—

That title be the title of the Bill.

The motion was carried.

State Minister for Home and Health (Shrimati Sharda Rani) : Sir, I beg to move—

That the Haryana Corneal Grafting Bill be passed.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the Haryana Corneal Grafting Bill be passed

Mr. Speaker: Question is

That the Haryana Corneal Grafting Bill be passed.

The motion was carried.

Mr. Speaker : The House stands adjourned till 2-00 P.M. on Monday, the 15th.

12—07 बजे

(The Sabha then adjourned* till 2-30 P.M. on Monday, the 15th July, 1974.)